मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 7 अंक 304
बुधवार, 28 मई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

अभी कुछ नहीं किया और पाकिस्तान को आ गया पसीनाः पीएम मोदी

नई दिल्ली, 27 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि 1960 की सिंधु जल संधि पर बुरी तरह से बातचीत की गई थी। गांधीनगर में गुजरात शहरी विकास की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जल संधि के निलंबन से पाकिस्तान अत्यधिक परेशान है। उन्होंने कहा कि मैं नई पीढ़ी को बताना चाहता हूँ कि कैसे हमारे देश को बर्बाद कर दिया गया। अगर आप 1960 की सिंधु जल संधि का अध्ययन करेंगे तो चौंक जाएँगे। उसमें तय हुआ था कि जम्मू-कश्मीर की नदियों पर बने बाँधों की सफाई नहीं की जाएगी। गाद निकालने का काम नहीं किया जाएगा।

मोदी ने कहा कि गाद निकालने के लिए नीचे के गेट बंद रहेंगे। 60 साल तक ये गेट कभी नहीं खोले गए। जिन जलाशयों को 100% क्षमता तक भरना था, वे अब सिर्फ.2% या 3% रह गए हैं। अभी मैंने कुछ नहीं किया और वहाँ (पाकिस्तान) लोग पसीना बहा रहे हैं। हमने बाँधों की सफाई के लिए छोटे-छोटे गेट खोले हैं और वहाँ बाढ़ आ गई है। उन्होंने कहा कि मैं कहता हूँ कि इसे अब छद्म युद्ध नहीं कहा जा सकता, क्योंकि 6 मई के बाद जिन आतंकवादियों के अंतिम संस्कार हुए, उन्हें पाकिस्तान में राजकीय सम्मान दिया गया। उनके ताबूतों पर पाकिस्तान के झंडे रखे गए और उनकी सेना ने उन्हें सलामी दी। इससे साबित होता है कि आतंकवादी गतिविधियाँ छद्म युद्ध नहीं बल्कि एक सुनियोजित युद्ध रणनीति है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि आप पहले से ही युद्ध में हैं और आपको उसी के अनुसार जवाब मिलेगा। हम किसी से दुश्मनी नहीं चाहते। हम शांति से रहना चाहते हैं। हम प्रगति भी करना चाहते हैं ताकि हम विश्व के कल्याण में अपना योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि 26 मई 2014 को मैंने पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी।

उस समय भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। हम सभी के लिए यह गर्व की बात है कि अब हम जापान से आगे निकल गए हैं। मुझे आज भी याद है कि जब हम छठे से पांचवें स्थान पर पहुंचे थे, तो पूरे देश में उत्साह था, खासकर युवाओं में। इसका कारण यह था कि भारत ने यूनाइटेड किंगडम को पीछे छोड़ दिया था, वही देश जिसने हम पर 250 साल तक राज किया था।

शांति तभी सुरक्षित रहती है जब आप युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहते हैं : उपराष्ट्रपति

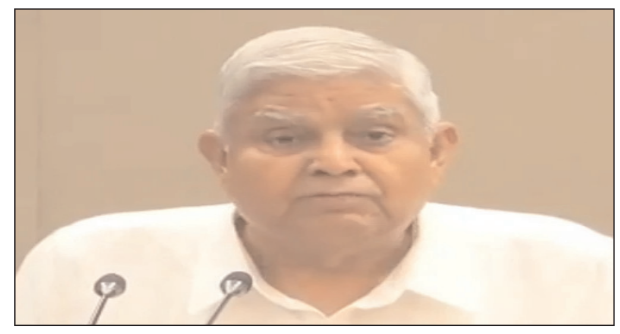

नई दिल्ली, 27 मई। आज उपराष्ट्रपति के एन्क्लेव में राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम-चरण 7 के उद्घाटन सत्र में, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी मानसिकता को बड़े पैमाने पर बदल दिया है। हम पहले से कहीं अधिक राष्ट्रवादी हैं। और यह हमारे शांति के संदेश और आतंकवाद के प्रति हमारी पूर्ण असहिष्णुता को बढ़ावा देने के लिए विदेश गए प्रतिनिधिमंडलों में सभी राजनीतिक परिदृश्यों की भागीदारी में परिलक्षित होता है। और इसलिए, हाल की घटनाओं को देखते हुए, हमारे पास कोई विकल्प नहीं है।

जगदीप धनखड़ ने कहा कि हमारे पास एकजुट रहने और मजबूत होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए, हमें स्वदेशी ताकत की आवश्यकता है।

युद्ध को ताकत की स्थिति में टाला जाना चाहिए। शांति तब सुरक्षित होती है जब आप युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और इसलिए ताकत तकनीकी कौशल, पारंपरिक हथियारों की ताकत के अलावा लोगों से भी आती है। उन्होंने कहा कि संस्थाओं की तरह, राजनीतिक जनजातियों का भी राष्ट्रीय हित के प्रति नैतिक कर्तव्य है, क्योंकि सभी संस्थाओं के लिए अंतिम केंद्र बिंदु राष्ट्रीय विकास, जन कल्याण और पारदर्शिता, जवाबदेही, ईमानदारी पैदा करना है। धनखड़ ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक प्रगति के मुद्दों पर, सभी गुटों को राष्ट्रीय हित को दलीय प्राथमिकताओं से ऊपर रखना चाहिए।

राम सेतु को घोषित किया जाए राष्ट्रीय स्मारक, सुप्रीम कोर्ट में सुब्रमण्यम स्वामी ने दायर की नई याचिका

नई दिल्ली, 27 मई। पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाकर केंद्र को राम सेतु को ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व का राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की उनकी लंबे समय से लंबित मांग पर निर्णय लेने का निर्देश देने की मांग की है। अपनी नई याचिका में स्वामी ने कहा कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के जनवरी 2023 के आदेश के अनुरूप सरकार को औपचारिक प्रतिनिधित्व प्रस्तुत किया था, लेकिन अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। याचिका में सर्वोच्च न्यायालय से अनुरोध किया गया है कि वह केंद्र सरकार को राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (एनएमए) के साथ मिलकर राम सेतु को प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 के तहत राष्ट्रीय महत्व के प्राचीन स्मारक का दर्जा देने का निर्देश दे।

स्वामी ने तर्क दिया कि तमिलनाडु में पंबन द्वीप (रामेश्वरम) को श्रीलंका के तट पर मन्नार द्वीप से जोड़ने वाली चूना पत्थर की एक श्रृंखला राम सेतु, ऐतिहासिक, पुरातात्विक और धार्मिक महत्व रखती है। उन्होंने कहा कि यह संरचना अधिनियम के तहत संरक्षण के लिए सभी कानूनी मानदंडों को पूरा करती है और इसे किसी भी संभावित दुरुपयोग, प्रदूषण या क्षति से बचाया जाना चाहिए। उनकी याचिका में कहा गया है, यह पुरातात्विक स्थल उन लोगों के लिए आस्था और श्रद्धा का विषय है जो राम सेतु को तीर्थ मानते हैं। स्वामी ने मामले में पहले की घटनाओं का भी हवाला दिया, जिसमें 2017 में केंद्र द्वारा सेतु के अस्तित्व को स्वीकार करना और उस वर्ष इसकी विरासत की स्थिति पर विचार करने के लिए आयोजित मंत्रिस्तरीय बैठक शामिल है।

आंदोलनरत बिजलीकर्मियों का 29 मई से पूर्ण कार्य बहिष्कार का ऐलान

सुरेश गांधी

वाराणसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के बैनर तले बनारस में बिजली विभाग के निजीकरण के खिलाफ लगातार सातवें दिन भी विरोध प्रदर्शन जारी रहा। भिखारीपुर स्थित प्रबंध निदेशक कार्यालय पर जुटे सैकड़ों बिजलीकर्मियों ने जोरदार प्रदर्शन कर ऊर्जा प्रबंधन और सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की।

प्रदर्शनकारियों ने ऐलान किया कि अगर 28 मई तक ऊर्जा प्रबंधन और संघर्ष समिति के बीच कोई सार्थक वार्ता नहीं होती है, तो 29 मई से पूर्ण कार्यबहिष्कार अनिवार्य होगा, जिससे राज्य में बिजली संकट गहराने की आशंका है। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि इस आंदोलन की अनदेखी करना ऊर्जा मंत्री के दावों को खोखला सिद्ध कर देगा।

निजीकरण के खिलाफ सातवें दिन भी जोरदार धरना-प्रदर्शन

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि एक ओर प्रदेश में भारी बेरोजगारी है और लोग 5 किलो राशन पर निर्भर हैं, वहीं युवा आईटीआई, पॉलिटेक्निक व इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर इस आशा में हैं कि बिजली विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती होगी। लेकिन सरकार निजीकरण के जरिये इस आशा को खत्म कर रही है। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि पिछले 180 दिनों में बिजली बोर्ड में सुधार को लेकर कई पत्र और प्रजेंटेशन ऊर्जा प्रबंधन को सौंपे गए, परंतु उन पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि निजीकरण से आम जनता को महंगी बिजली और बाउंसरों के जरिये बिल वसूली का सामना करना पड़ेगा। प्रदर्शनकारियों ने ऊर्जा मंत्री पर भी नाराजगी जताई कि दो दिनों में घायल कर्मचारियों का हालचाल लेने तक नहीं आए, जिससे कर्मियों में गहरा रोष है। उन्होंने मंत्री पर कर्मचारियों और उनके परिवारों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया।

सभा की अध्यक्षता ई. दीपक गुप्ता ने की, जबकि संचालन वेदप्रकाश राय ने किया। सभा को ई. मायाशंकर तिवारी, ई. रेनू मौर्य, नेहा कुमारी, मोनिका केशरी, आशा, ई. विजय सिंह, ई. रामाशीष, ई. नरेंद्र वर्मा, मदन श्रीवास्तव, संतोष वर्मा, सुभाष कुमार, मो. हारिश, रविंद्र यादव, रमाशंकर पाल, उदयभान दुबे, पंकज यादव, ई. विशाल श्रीवास्तव सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

आईआईएमसी में एडमिशन के लिए आज से शुरू होगी ई-काउंसलिंग प्रक्रिया

नई दिल्ली, 27 मई। देश के सबसे प्रतिष्ठित मीडिया शिक्षण संस्थान भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) में एक एमए पाठ्यक्रम एवं पाँच स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ई-काउंसलिंग प्रक्रिया 28 मई, 2025 से प्रारंभ होगी। जिन विद्यार्थियों के पास सीयूईटी-पीजी का वैध स्कोर है, वे https://iimc.admissions.nic.in पर जाकर ई-काउंसलिंग हेतु पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण शुल्क सामान्य वर्ग हेतु 1500 तथा ईडब्ल्यूएस/ओबीसी/ अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/पीएच वर्ग हेतु 1000 निर्धारित किया गया है। पंजीकरण की अंतिम तिथि 8 जून है।

प्रवेश प्रभारी प्रो. (डॉ.) राकेश गोस्वामी के अनुसार, इस वर्ष आईआईएमसी ने जन संचार एवं पत्रकारिता के अतिरिक्त अन्य विषयों से भी अभ्यर्थियों को प्रवेश के लिए पात्र माना है। उन्होंने बताया कि न्यू मीडिया कम्युनिकेशन नामक नए एमए कार्यक्रम में डाटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी (SCQP 09) तथा अप्लाइड आर्ट्स (HUQP 03) जैसे विषयों में सीयूईटी-पीजी स्कोर रखने वाले अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं। इसी प्रकार, आईआईएमसी ढेंकनाल में आरंभ किए गए नये पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम कॉरपोरेट कम्युनिकेशन एवं ब्रांड मैनेजमेंट में अर्थशास्त्र एवं वाणिज्य विषयों में सीयूईटी-पीजी स्कोर रखने वाले अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि अंग्रेजी पत्रकारिता, हिन्दी पत्रकारिता, विज्ञापन एवं जनसंपर्क तथा रेडियो एवं टेलीविजन पत्रकारिता पाठ्यक्रमों में केवल जनसंचार एवं पत्रकारिता विषय में सीयूईटी-पीजी स्कोर रखने वाले अभ्यर्थी ही पात्र होंगे।

प्रो. गोस्वामी ने कहा कि पंजीकरण फॉर्म भरते समय अभ्यर्थी सभी निर्देश ध्यानपूर्वक पढ़ें और अपने पाठ्यक्रमों एवं परिसरों की प्राथमिकताओं को सावधानीपूर्वक भरें। फॉर्म जमा हो जाने के बाद प्राथमिकताओं में किसी भी प्रकार का परिवर्तन स्वीकार नहीं किया जाएगा। चयनित पाठ्यक्रम की पुष्टि के लिए अभ्यर्थियों को 20,000 अग्रिम ट्यूशन शुल्क के रूप में जमा करना अनिवार्य होगा। शेष शुल्क निर्धारित समय-सीमा के भीतर जमा कर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी।

आतंकवाद कश्मीर में पर्यटन को नहीं रोक पाएगाः उमर अब्दुल्ला

पहलगाम, 27 मई। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी घटना के बाद कश्मीर में पर्यटन को फिर से शुरू करने के प्रयास शुरू करने की कोशिशें की जा रही हैं। इसी क्रम में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को पहलगाम में एक विशेष कैबिनेट बैठक की। इससे यह स्पष्ट संदेश दिया जा सके कि सरकार 'आतंकवाद की कायरतापूर्ण हरकतों से नहीं डरेगी। बैठक के बाद, मुख्यमंत्री कार्यालय ने पहलगाम क्लब में आयोजित बैठक की तस्वीरें पोस्ट कीं। आज पहलगाम में कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की। यह केवल एक नियमित प्रशासनिक अभ्यास नहीं था, बल्कि एक स्पष्ट संदेश था - हम आतंक की कायरतापूर्ण हरकतों से भयभीत नहीं हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स में कहा कि शांति के दुश्मन कभी भी हमारे संकल्प को प्रभावित नहीं करेंगे।

ओवैसी ने कुवैत में पाकिस्तान की खोली पोल

कुवैत। भारत के सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल खाड़ी क्षेत्र का दौरा कर रहा है। भारत ने वैश्विक शक्तियों से आतंकवाद और आतंकी वित्तपोषण नेटवर्क को निरंतर समर्थन देने के लिए पाकिस्तान को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल की ग्रे सूची में फिर से शामिल करने का समर्थन करने का आग्रह किया है। कुवैत में भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत के दौरान बोलते हुए, एआईएमआईएम प्रमुख और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने आतंकवाद से निपटने में पाकिस्तान के कथित दोहरेपन की तीखी आलोचना की।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

अहिल्यादेवी होलकरः दूरदर्शी एवं साहसी महिला शासक

-ललित गर्ग

31 मई 2025 तीन सौवीं जन्म जयन्ती

भारतीय संस्कृति के उज्ज्वल इतिहास के सुवर्ण पृष्ठों पर अनेक शील, शौर्य, शक्ति एवं पराक्रम संपन्न नारियों के नाम अंकित हुए हैं। शील, भक्ति, आस्था, शौर्य, शक्ति एवं धर्मनिष्ठा के अद्वितीय प्रभाव के कारण ही वे प्रणम्य हैं। ऐसी ही श्रृंखला में एक नाम है राजमाता अहिल्याबाई होलकर का, जो परम विदुषी, सनातन धर्म-शासन प्रभाविका, मातृहृदया, कुशल शासक एवं प्रबल धर्मनिष्ठा पूज्याप्रवर हैं। वे हिन्दू धर्म की उच्चतम परम्पराओं, संस्कारों और जीवनमूल्यों से प्रतिबद्ध एक महान विभूति थी, शासक रश्मि थी, सृजन रश्मि थी, नेतृत्व रश्मि थी, विकास रश्मि थी। सनातन धर्म की ध्वजवाहिका थी, एक ऊर्जा थी। उन्होंने ने न केवल कुशल-शासक व्यवस्था के मूल्य मानक गढ़े, बल्कि सामाजिकता, सेवा एवं परोपकार के नये आयाम भी उद्घाटित किये। जन कल्याण एवं सेवा के क्षेत्र में भी उन्होंने अनेक कार्य किए। भारत ऐसी ही आदर्श नारी चरित्रों की गौरव-गाथा से विश्व गुरु कहलाता था। इस वर्ष 31 मई, 2025 को उनकी जन्म जयन्ती का त्रिशताब्दी दिवस है।

कभी-कभी वास्तविक जीवन की घटनाएं कहानियों से भी अधिक अद्भुत, साहसी, रोमांचकारी एवं विलक्षण होती है। सच यह भी है कि कभी-कभी जिन्दगी की किताब के किरदार कहानियों, फिल्मों एवं उपन्यासों के किरदारों से भी कहीं अधिक सशक्त और अविस्मरणीय होते हैं। लौह महिला महारानी अहिल्याबाई होल्कर का व्यक्तित्व व कृतित्व भी ऐसा ही है, जो उन्हें विश्व की श्रेष्ठतम महिलाओं की पंक्ति में अग्रणी बनाता है, जिनका भारत के इतिहास और जनमानस पर विशेष प्रभाव रहा है। वे भारतीय इतिहास की एक विलक्षण, साहसी, दूरदर्शी, दार्शनिक एवं पराक्रमी नायिका है। राजमाता अहिल्याबाई होलकर, मालवा साम्राज्य की होलकर रानी थीं। उन्हें भारत की सबसे दूरदर्शी एवं साहसी महिला शासकों में से एक माना जाता है। 18वीं शताब्दी में, मालवा की महारानी के रूप में, धर्म का संदेश फैलाने में, नयी शासन-व्यवस्था स्थापित करने और औद्योगीकरण के प्रचार-प्रसार में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा था। अतीत से आज तक वे व्यापक रूप से अपनी बुद्धिमत्ता, साहस और प्रशासनिक कौशल के लिए जानी जाती हैं।

31 मई 1725 को जामखेड, अहमदनगर (महाराष्ट्र) के चोंडी गाँव में जन्मी अहिल्या, एक साधारण परिवार से थीं। उनके पिता मनकोजी राव शिंदे, ग्राम प्रधान थे, जिन्होंने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया था। एक युवा लड़की के रूप में, उनकी सादगी और सुचरित्र के संयोजन ने, मालवा क्षेत्र के राजा मल्हार राव होलकर का ध्यान उनकी ओर आकर्षित किया। वे युवा अहिल्या से इतने प्रभावित थे कि 1733 में जब वे मुश्किल से आठ साल की भी नहीं हुई थीं, तब उन्होंने उनका विवाह अपने बेटे खंडेराव होलकर से करवा दिया। उनकी शादी के बारह साल बाद, कुम्हेर किले की घेराबंदी के दौरान, उनके पति खंडेराव की मृत्यु हो गई। अहिल्याबाई इतनी आहत हुईं कि उन्होंने सती होने का फैसला कर लिया। लेकिन उनके ससुर मल्हार राव ने उन्हें इतना कठोर कदम उठाने से रोक लिया और अहिल्या को अपनी छत्र-छाया में लेकर, उन्हें सैन्य, राजनीतिक और प्रशासनिक मामलों में प्रशिक्षित किया। राज-काज की बारीकियां समझाई।

ह्यतमसो मा ज्योतिर्गमयह्ल- मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। ज्योति की यात्रा मनुष्य की शाश्वत अभीप्सा है। इस यात्रा का उद्देश्य है, प्रकाश की खोज। प्रकाश उसे मिलता है, जो उसकी खोज करता है। कुछ व्यक्तित्व प्रकाश के स्रोत होते हैं। वे स्वयं प्रकाशित होते हैं और दूसरों को भी निरंतर रोशनी बांटते हैं। अहिल्याबाई ऐसा ही एक लाइटहाउस था यानी प्रकाश-गृह, जिसके चारों ओर रोशनदान थे, खुले वातायन थे। उनका चिंतन, शासन-व्यवस्था, संस्कृति-प्रेम, संभाषण, आचरण, सृजन, सेवा, परोपकार- ये सब ऐसे खुले वातायन थे, जिनसे निरंतर आलोक प्रस्फुटित होता रहा और पूरी मानवजाति को उपकृत किया। राजमाता अहिल्याबाई होलकर का जीवन अनेक संकटों एवं संघर्षों का साक्षी बना। एक के बाद एक पहाड़ जैसे दुःख, आघात उन्हें झेलने पड़े। 1766 में अहिल्या के ससुर मल्हार राव का भी निधन हो गया। उसके अगले ही वर्ष, उन्होंने अपने बेटे माले राव को भी खो दिया। बेटे को खोने का दुःख उन्होंने अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। राज्य और अपनी प्रजा के कल्याण को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पेशवा से, मालवा के शासन को संभालने की अनुमति मांगी। हालांकि, कुछ अभिजातों ने इसका विरोध किया, लेकिन उन्हें सेना का समर्थन प्राप्त था। सेना को उन पर पूरी श्रद्धा और विश्वास था, क्योंकि वह सैन्य और प्रशासनिक मामलों में अच्छी तरह से प्रशिक्षित थीं। उन्होंने कई मौकों पर सेना का नेतृत्व किया था और एक सच्चे योद्धा की तरह लड़ाई लड़ी थी। 1767 में, पेशवा ने अहिल्याबाई को मालवा पर अधिकार करने की अनुमति दे दी। 11 दिसंबर 1767 को वे गद्दी पर बैठीं और इंदौर की शासक बनीं। अगले 28 वर्षों तक महारानी अहिल्याबाई ने न्यायोचित, बुद्धिमत्तापूर्ण और ज्ञानपूर्वक तरीके से मालवा पर शासन किया। अहिल्याबाई के शासन के तहत, मालवा में शांति, समृद्धि, खुशहाली और स्थिरता बनी रही। साथ ही साथ उनकी राजधानी साहित्यिक, संगीतात्मक, कलात्मक और औद्योगिक गतिविधियों के एक बेहतरीन स्थान में परिवर्तित हो गई। कवियों, कलाकारों, मूर्तिकारों और विद्वानों का उनके राज्य में स्वागत किया गया, क्योंकि वे उनके काम को बहुत सम्मान दिया करती थीं।

रानी अहिल्याबाई ने अपने समय में विभिन्न दिशाओं में सृजन की ऋचाएं लिखी हैं, नया इतिहास रचा है। अपनी योग्यता और क्षमता से स्वयं को साबित किया है। नारी शासक के रूप उन्होंने एक छलांग लगाई, राज-व्यवस्था एवं उन्नत समाज संरचना को निर्मित करते हुए जीवन की आदर्श परिभाषाएं गढ़ी थीं। वह अपनी प्रजा को अपनी संतान मानती थी। उन्होंने अपने शासनकाल में कई कानूनों को समाप्त किया, किसानों का लगान कम किया, कृषि, उद्योग धन्धों को सुविधा देकर विकास के अनेक काम किए। चोर, डाकुओं एवं अन्य अपराधियों को सही रास्ते पर लाकर उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर उनकी जीवन दिशाएं बदली। रानी अहिल्याबाई महा परोपकारी, संवेदनशील एवं करूणामयी थी। राहगीरों, गरीबों, विकलांगों, साधु- संतों,पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं सभी का ध्यान रखती थी यहां तक कि अपने सैनिकों, कर्मचारियों के कल्याण के लिए भी वह कभी पीछे नहीं हटी। मन्दिरों का जीर्णोद्धार, पर्यावरण एवं जलसंरक्षण, विधि एवं न्याय व्यवस्था, नारी सम्मान और नारी शिक्षा, व्यापार, कौशल-विकास आदि उनके शासन की विशेष उपलब्धियां बनी। अहिल्याबाई का हृदय समाज के सभी वर्गों के लिए धड़कता था।

रानी अहिल्याबाई हिन्दू धर्म की पुरोधा, उन्नायक एवं रक्षक थी। उन्होंने बद्रीनाथ, केदारनाथ, रामेश्वरम, जगन्नाथ पुरी, द्वारका, पैठण, महेश्वर, वृंदावन, सुपलेश्वर, उज्जैन, पुष्कर, पंढरपुर, चिंचवाड़, चिखलदा, आलमपुर, देवप्रयाग, राजापुर स्थानों पर मंदिरों का पुनर्निर्माण करवाया तथा घाट बनवाएं और धर्मशालाएं खुलवाए, जहां लोगों को प्रतिदिन भोजन मिलता था। काशी विश्वेश्वर मंदिर के साथ-साथ पूरे देश के मंदिरों का निर्माण व पुनर्निर्माण का कार्य रानी ने करवाया। त्रंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग में तीर्थ यात्रा के लिए विश्रामगृह, अयोध्या, नासिक में भगवान श्रीराम के मंदिरों का निर्माण, सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, उज्जैन में चिंतामणि गणपति मंदिर निर्माण-ये सभी कार्य रानी ने दिल खोलकर किए हैं। उन्होंने कल्याणकारी व परोपकारी कार्यों द्वारा राष्ट्र निर्माण का महत्ती कार्य किया तथा देश में धार्मिक, सामाजिक, राष्ट्रीय एकता कायम करने के लिए सराहनीय प्रयास किए। अहिल्याबाई ने महेश्वर में वस्त्र उद्योग भी स्थापित किया, जो वर्तमान में अपनी महेश्वरी साड़ियों के लिए बहुत प्रसिद्ध है। शासन से लेकर संस्कार तक, साहित्य से लेकर समाज-निर्माण तक अनुभव गुम्फित है। न केवल राजनीति के क्षेत्र में बल्कि व्यक्ति निर्माण एवं समाज निर्माण के क्षेत्र में भी आपके विचारों का क्रांतिकारी प्रभाव देखने को मिलता है।

ह्यदार्शनिक महारानीह्ल की उपाधि से सम्मानित, अहिल्याबाई का 13 अगस्त 1795 को सत्तर वर्ष की आयु में निधन हो गया। रानी अहिल्याबाई में इतिहास के गौरवशाली वीरों के गुण देखने को मिलते हैं। क्यों कि महिला इतनी सर्वगुण संपन्न कैसे हो सकती है? इतिहास, वर्तमान और भविष्य में केवल एक ही नारी है इतने गुणों का समावेश होना संभव ही नहीं है। धर्मपरायण, शासन प्रबंध, विद्वानों का सम्मान व न्याय, दानशीलता ,उदार धर्म नीति, भक्ति भावना, वीरता, त्याग व बलिदान, साहस, शौर्य से परिपूर्ण रानी अहिल्याबाई युगों- युगों तक अमर रहेंगी।

मोदी सरकार में भारत की अर्थव्यवस्था का जम्प

अशोक भाटिया

भारत अब चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और यह मोदी सरकार और देश के 1.4 अरब भारतीयों के लिए गर्व की बात है। भारत को पहले हाथियों और सांपों की भूमि के रूप में जाना जाता था। अब वह विकसित नहीं बल्कि विकास के पथ पर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन रही है। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यन ने हाल ही में कहा था कि यह हम सभी के लिए खुशी और गर्व की बात है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अमेरिका और जर्मनी तीन ऐसे देश हैं और यह जानकारी सिर्फ भारत ने ही नहीं बल्कि आईएमएफ ने भी दी है, जो भारत विरोधी है। इसलिए ये आंकड़े विश्वसनीय हैं क्योंकि यहां मोदी के भक्त नहीं हैं, बल्कि मोदी के भक्त हैं, बल्कि भारत से नफरत करने वाले भी हैं. निस्संदेह यह गर्व की बात है कि भारत अब जापान को पछाड़कर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसका श्रेय मोदी और 140 करोड़ भारतीयों को जाता है। यह इस देश के प्रत्येक नागरिक का है।

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और इसका कारण भारत में भू-राजनीतिक स्थिति और बहुत अनुकूल आर्थिक वातावरण है। भारत आज 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है और यह परिवर्तन जबरदस्त है, और यह देश की कहानी कहता है। आईएमएफ के आंकड़ों के मुताबिक भारत आज जापान से बड़ा है और आज भारत से आगे सिर्फ जर्मनी है। संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन हैं। लेकिन भारत को यह सफलता आसानी से हासिल नहीं हुई है। अर्थव्यवस्था का आकार जीडीपी द्वारा मापा जाता है, और यह जापान की तुलना में कुछ अधिक है। आईएमएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में विकास दृष्टिकोण 6.2 प्रतिशत था, जो विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी मांग के कारण, निजी भागीदारी और खपत के साथ-साथ भारत की बाजार क्षमता और व्यापक आर्थिक क्षेत्र, वैश्विक व्यापार और निवेश प्रवाह की भागीदारी में वृद्धि के कारण समर्थित था।

नीति आयोग के अनुसार, यदि भारत प्रति व्यक्ति आय में प्रगति कर रहा है और यह अगले कुछ वर्षों में आशाजनक है, तो यह कुछ हद तक आशावादी है। विश्व बैंक और आईएमएफ ने भविष्यवाणी की है कि भारत अगले दो वर्षों के लिए दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि होने की उम्मीद है। स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों के नियोजित विकास को रणनीतिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत विनिर्माण क्षेत्र में एक वैकल्पिक देश बन रहा है, लेकिन इसे अपने बाजार को मजबूत करना चाहिए और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी स्थिति बढ़ाने के लिए इसका उपयोग करना चाहिए।

भारत रूस-यूक्रेन युद्ध से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए आयात शुल्क की बाधाओं को दूर करने में सक्षम रहा है, लेकिन उत्पादकता बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी नई तकनीकों को अपनाने के लिए श्रमिकों के लिए नौकरियां पैदा करने की भी आवश्यकता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी ने बाहर मांग को धीमा कर दिया है। घरेलू मांग भी पूरी तरह पटरी पर नहीं लौटी है। यह बाधा अर्थव्यवस्था के तेजी से विकास के लिए एक बाधा बनी हुई है। यदि ऐसे झटके नहीं आते हैं, तो भारतीय अर्थव्यवस्था में बचत और निवेश के स्तर के संदर्भ में अगले कुछ वर्षों में वृद्धि करने की क्षमता है। हालांकि, इसके लिए अधिक संरचनात्मक परिवर्तनों की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में सत्ता संभाली थी। तब से लेकर अब तक भाजपा सत्ता में है और देश की प्रगति निरंतर और निरंतर होती रही है। कांग्रेस शासन के दौरान, निवेशकों ने भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास खो दिया और भ्रष्टाचार के कई मामलों ने निवेशकों के विश्वास को कमजोर कर दिया था। लेकिन जब मोदी सत्ता में आए तो उन्होंने कहा 'ना खाने दूंगा न खाऊंगा...' घोषणा की गई थी और तदनुसार भ्रष्टाचार की एक भी शिकायत दर्ज नहीं की गई है। वरना कांग्रेस के शासनकाल में भ्रष्टाचार के कई मामले खबरों में थे और अखबारों में रोज नए-नए मसाले पहुंचाए जा रहे थे। लेकिन आज ऐसा नहीं है। मोदी के आने के बाद से यह गुणात्मक बदलाव आया है। इससे निवेशकों का विश्वास बहाल हुआ है और भारत आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। लेकिन यह एक आसान काम नहीं था। मोदी का असाधारण दृढ़ संकल्प और दृढ़ संकल्प के साथ-साथ मोदी को सभी भारतीयों का समर्थन इसकी वजह थी। अगर आर्थिक विकास के आंकड़ों को केवल ध्यान में रखा जाए, तो भी मोदी सरकार का प्रदर्शन इन 10 वर्षों में प्रभावशाली रहा है। बेशक, यह स्वीकार करना होगा कि मोदी का प्रदर्शन, असामान्य होने के बावजूद, प्रशंसा के लिए पर्याप्त नहीं है। भले ही मोदी सरकार का आर्थिक प्रदर्शन जबरदस्त है, लेकिन लाखों भारतीय गरीब बने हुए हैं। और नौकरियों की गंभीर वास्तविकता है। इसलिए, हम यह नहीं कहते कि भारत तब तक खुश है जब तक युवाओं को रोजगार का लाभ नहीं मिलता।

यद्यपि अर्थव्यवस्था संतोषजनक है, फिर भी कुछ अड़चनें हैं, सबसे पहले, गरीबी। गरीबी और असमानता की असली तस्वीर सामने नहीं आ रही है। मोदी ने सड़कों और बुनियादी ढाँचे के निर्माण पर जोर दिया है, और इसलिए आज देश में कई जगहों पर अच्छी सड़कें और पुल और पुल बनते हुए हम देखते हैं, लेकिन साथ ही डिजिटल सिस्टम का इस्तेमाल उस हद तक नहीं बढ़ा है, जितना होना चाहिए। मोदी को इस बारे में सोचना चाहिए क्योंकि चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कहना ठीक नहीं है और उसी तरह व्यापार करना जारी रखना अच्छा नहीं है। यह किसी भी देश के लिए अच्छा नहीं है। मोदी शौचालय बनाने की योजनाएं लेकर आए और देश को खुले में शौच से मुक्त बनाया। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर अभी भी यही स्थिति है और अंत में, जैसा कि अमर्त्य सेन ने कहा, उस विकास का फल तब तक अंतिम तक पहुंचा हुआ कहा जा सकता है जब तक कि अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को विकास का फल नहीं मिलता। नहीं। मोदी को इस संबंध में अभी बहुत काम करना है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि मोदी यह काम करेंगे। भारत के विकास ने एक छलांग लगाई है लेकिन महामारी और इसके दौरान खाद्य वितरण तेजी से हुआ है। यह निस्संदेह सराहनीय था, लेकिन इसी अवधि में, सरकार के भोजन बिल में पांच गुना वृद्धि हुई। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह देश भर में सभी में सकारात्मक विचार पैदा करे कि ट्रम्प की बाधाओं ने भारत जैसे देशों के लिए आत्मनिर्भरता का अवसर पैदा किया है और आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि घरेलू आर्थिक सुधारों और अन्य देशों द्वारा भारत को दिए गए झुकाव उपायों ने अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। यदि विकास की यही गति जारी रहती है, तो हम अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को पछाड़कर तीसरे नंबर पर आ सकते हैं। यह भी कहा जाता है कि इस तरह की भविष्यवाणियों का उपयोग देशवासियों के मन में उत्साह पैदा करने के लिए किया जाता है। बेशक, जर्मनी में सक्षम, प्रशिक्षित और युवा लोगों की भारी कमी है। इससे अर्थव्यवस्था कुछ हद तक प्रभावित हो रही है। इसके विपरीत, भारत को युवाओं की सबसे बड़ी संख्या होने से लाभ होगा।

ऐसे अन्य कई क्षेत्र हैं जिन्होंने मोदी की सफलता में योगदान दिया है। जहां तक उन क्षेत्रों का सवाल है, मोदी के काम से बिजली की मात्रा और इसके बढ़ते उपयोग के साथ-साथ डीबीटी के जरिए गरीबों को नकदी का हस्तांतरण भी कम हुआ है। मोदी सरकार ने भारत की अर्थव्यवस्था को चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है। लेकिन तथ्य यह है कि भारत का अकुशल और गरीब वर्ग अभी भी काफी हद तक बेरोजगार है और मोदी सरकार उनके लिए नौकरी प्रदान करने में सक्षम नहीं है। भारत की अधिकांश आबादी अभी भी कृषि पर निर्भर है। ये चुनौतियां हैं, लेकिन मोदी की सफलता निश्चित रूप से अभूतपूर्व है। भारत कृषि, स्वास्थ्य, जैव प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं, परिवहन, संचार, खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से विनिर्माण और निर्यात में बड़ी छलांग लगा सकता है। अर्थव्यवस्था को सुधारने और विकसित करने के लिए आम लोगों की हिस्सेदारी बढ़ाई जानी चाहिए। इस तथ्य को स्वीकार किया जाना चाहिए, क्योंकि मैक्रोइकॉनॉमिक्स की गुदगुदी प्रगति सिक्के के किसी भी पक्ष की वास्तविकता को प्रतिबिंबित नहीं करती है, और विकास के साथ आने वाली असमानता हमेशा ढकी रहती है।

तेज प्रताप यादव ने बिहार की चुनावी लड़ाई को दिलचस्प बना दिया

बिहार के दो पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और राबड़ी देवी के बेटे तेज प्रताप यादव ने राज्य की चुनावी लड़ाई को दिलचस्प बना दिया है। कागजों में लालू यादव के छोटे और हकीकत में बड़े बेटे तेज प्रताप यादव अपनी माता राबड़ी देवी के लाडले बेटे माने जाते हैं। बिहार की राजनीति को और खासकर लालू यादव के परिवार को करीब से देखने वाले जानकारों की माने तो, वर्ष 2015 में जब नीतीश कुमार की सरकार में तेजस्वी यादव को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था,तभी से रिश्तों में यह खटास शुरू हो गई थी। तेज प्रताप यादव, बड़े बेटे होने के नाते अपने आपको लालू यादव का उत्तराधिकारी मान कर चल रहे थे लेकिन लालू यादव ने अपने छोटे बेटे तेजस्वी यादव को अपना उत्तराधिकारी बना दिया। कई जानकर लोग तो यहां तक कहते हैं कि राबड़ी देवी ने अड़ कर तेज प्रताप यादव को जेडीयू-आरजेडी गठबंधन सरकार में मंत्री बनवाया था। ऐसे में अपने ही बेटे के खिलाफ लालू यादव द्वारा लिए गए एक्शन को काफी आश्चर्य से देखा जा रहा है। सवाल यह पूछा जा रहा है कि क्या लालू यादव ने अपने छोटे बेटे तेजस्वी यादव के दबाव में यह फैसला किया है ? एक तरफ जहां इस फैसले के लिए यादव परिवार के एकजुट होने का दावा किया जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ किसी को भी इसका भरोसा नहीं हो पा रहा है कि राबड़ी देवी अपने बड़े बेटे को पार्टी और परिवार से निकालने पर तैयार हो गई होंगी ?

तेज प्रताप यादव के सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट से लालू यादव इतना बड़ा फैसला लेने के लिए मजबूर हो सकते हैं,यह कोई सोच भी नहीं सकता था। तेज प्रताप यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर ऐलान कर दिया था कि वो एक लड़की के साथ 12 साल से रिलेशन में हैं और वो दोनों एक-दूसरे से प्यार करते हैं। हालांकि इसके बाद उन्होंने एक और पोस्ट कर यह दावा किया कि उनका सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो गया था और उन्हें बदनाम करने के लिए ऐसा किया जा रहा है। उसके बाद तेज प्रताप यादव के उस लड़की के साथ कई तस्वीरें और वीडियो वायरल होने लगे,जिसने यादव परिवार को असहज कर दिया।

बिहार में तय समय के अनुसार, अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा के चुनाव होने हैं। एक दौर में बिहार की राजनीति को अपनी उंगलियों पर नचाने वाले लालू यादव तुरंत समझ गए कि बड़े बेटे की हरकतों का खामियाजा विधानसभा चुनाव में भुगतना पड़ेगा। पोस्ट और वायरल होते फोटो एवं वीडियो ने तेजस्वी यादव को भी इस बात का अहसास करा दिया कि अगर अब बड़े भाई पर कोई एक्शन नहीं लिया गया तो बिहार में एक बार फिर से उन्हें जनता विपक्ष में बैठने का ही जनादेश देगी। लालू यादव भी बेटे तेजस्वी यादव के तर्कों से सहमत हो गए और आखिरकार उन्होंने परिवार और पार्टी के मुखिया होने के नाते यह बड़ा फैसला कर लिया।

लालू यादव के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किए गए पोस्ट और उसके बाद तेजस्वी यादव के आए बयान से आप समझ सकते हैं कि इस समय दोनों नेताओं के मन में बिहार का आगामी विधानसभा चुनाव ही चल रहा है। क्योंकि दोनों ही नेता बिहार में एक और चुनावी हार को झेलने की स्थिति में नहीं है। लालू यादव ने तेज प्रताप यादव को निकालने की घोषणा करते हुए लिखा, ?निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूँ। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित किया जाता है। अपने निजी जीवन का भला -बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है। उससे जो भी लोग संबंध रखेंगे वो स्वविवेक से निर्णय लें। लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूँ। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सार्वजनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार कर अनुसरण किया है। धन्यवाद।?

इसके बाद तेजस्वी यादव ने भी मीडिया के सामने आकर बयान दिया, ?हमें यह सब चीज ना तो अच्छी लगती है और ना ही हम इसको बर्दाशत करते हैं। जहां तक मेरे बड़े भाई की बात है, वह एडल्ट हैं उनको अधिकार है वह क्या निर्णय लेते हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष (लालू यादव) ने उनके बारे में क्या कहा है, वह सार्वजानिक कर दिया गया है। वह अपने निजी जीवन में क्या कर रहे हैं वह किसी से पूछ कर नहीं करते हैं। आपके माध्यम से ही हमें यह पता चला है। लालू यादव और तेजस्वी यादव भले ही तेज प्रताप यादव की प्रेम कहानी से पल्ला झाड़ने की कोशिश करें लेकिन यह विवाद अभी थमने वाला नहीं है। कई नाम हवा में तैर रहे हैं और एनडीए गठबंधन में शामिल हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा- हम के संस्थापक संरक्षक जीतन राम मांझी ने बड़ा खुलासा कर इस विवाद को और ज्यादा गरमा दिया है। केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री जीतन राम मांझी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, दरोगा बाबू की पोती ऐश्वर्या के साथ जो लालू परिवार ने किया है उसका बदला आने वाले चुनाव में बिहार की हर महिला लेकर रहेगी। तेज प्रताप जब किसी के साथ रिलेशनशिप में थें तो फिर किसी लड़की की ज़िन्दगी बर्बाद करने का अधिकार लालू परिवार को किसने दिया? कहीं ऐसा तो नहीं है कि किसी सिन्हा के चक्कर में लालू परिवार अनुष्का यादव की ज़िंदगी भी बर्बाद करवा दे? इसका जवाब लालू परिवार को देश के सामने देना होगा। जीतन राम मांझी की यह पोस्ट साफ-साफ बता रही है कि लालू यादव द्वारा अपने बेटे को बाहर निकालने के बावजूद यह विवाद अभी थमने वाला नहीं है। क्योंकि बिहार और केंद्र, दोनों जगहों पर सरकार चला रहे एनडीए गठबंधन के नेताओं के पास कुछ और भी नाम हैं। -संतोष कुमार पाठक

आत्महत्या करने वाले सभी छात्रों की सोचें

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने कोटा में हुई छात्रों की मौत पर सुनवाई की। इन पर चिंता जाहिर की। स्टूडेंट्स सुसाइड के मामलों को भी गंभीर बताया और राजस्थान सरकार को फटकार लगाई, जबकि अकेले कोटा ही नहीं देशभर के छात्रों की मौत पर कार्रवाई होनी चाहिए। इन मौत की जांच होनी चाहिए। देशभर के छात्रों की आत्महत्या और इनको रोकने पर विचार होना चाहिए।

स्टूडेंट्स सुसाइड मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान कोटा में हो रहे स्टूडेंट्स सुसाइड के मामलों को भी गंभीर बताया और राजस्थान सरकार को फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा, 'कोटा में इस साल अब तक 14 स्टूडेंट्स सुसाइड कर चुके हैं। आप एक राज्य के तौर पर इसे लेकर क्या कर रहे हैं? स्टूडेंट्स कोटा में ही क्यों आत्महत्या कर रहे हैं? एक राज्य के तौर पर क्या आपने इस पर कोई विचार नहीं किया?' सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी कोटा में छात्रा का शव मिलने और आईआटी खड़गपुर के छात्र के सुसाइड मामले की सुनवाई के दौरान की। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार से इस मामले में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी।

चार मई को एनइइटी एग्जाम से कुछ ही घंटे पहले कोटा के हॉस्टल में 17 साल की छात्रा का शव मिला था। चार मई को ही, आईआईटी खड़गपुर में पढ़ने वाले 22 साल के स्टूडेंट ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगा ली थी। इन्हीं दोनों मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने छह मई को स्वतः संज्ञान लिया था।

आईआईटी खड़गपुर सुसाइड को लेकर कोर्ट ने 14 मई को कहा था वो सिर्फ यह पता लगाने के लिए संज्ञान ले रहे हैं कि प्रशासन ने 'अमित कुमार एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य' मामले में जारी कोर्ट के निदेशों का पालन कर एफआईआर दर्ज कराई है या नहीं। वहीं, कोटा में हुए सुसाइड को लेकर कोर्ट ने जवाब मांगा था कि एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई। जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर महादेवन की बेंच ने ये सुनवाई की थी। इसी के साथ कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश भी दिया था कि मेंटल हेल्थ और सुसाइड प्रिवेंशन के लिए बनने वाली नेशनल टास्क फोर्स यानी एनटीएफ के गठन के लिए 20 लाख रुपए दो दिन में जमा कराएं।

बात पिछले सालों की करें, तो साल 2024 में कोटा में रहने वाले 17 स्टूडेंट्स ने सुसाइड किया था। पिछले साल जनवरी के महीने में 2 और फरवरी के महीने में 3 सुसाइड हुए थे। वहीं साल 2023 में कोटा में स्टूडेंट सुसाइड के कुल 26 मामले सामने आए थे।

एमपी सुसाइड प्रिवेंशन टास्क फोर्स के मेंबर और साइकेट्रिस्ट डॉ सत्यकांत त्रिवेदी ने कोटा में हो रहे स्टूडेंट सुसाइड को लेकर कहा, ह्यकिसी भी आत्महत्या का कोई एक कारण नहीं होता। वही एग्जाम सभी बच्चे दे रहे होते हैं। ऐसे में सुसाइड के लिए मिले-जुले फैक्टर्स जिम्मेदार होते हैं। इसमें जेनेटिक्स कारण, सामाजिक कारण, पियर प्रेशर, माता-पिता के एक्सपेक्टेशन्स, शिक्षा तंत्र सब शामिल है।

डॉ त्रिवेदी कहते हैं कि कहीं न कहीं हम बच्चों को ये सिखाने में नाकामयाब हो जाते हैं कि स्ट्रेस, रिजेक्शन या फेलियर से कैसे डील करना है। आज बच्चा ये मानने लगा है कि उसका एकेडमिक अचीवमेंट उसके एग्जिस्टेंस से भी बड़ा है। बच्चा तैयारी छोड़ने के लिए तैयार नहीं है, जीवन छोड़ने के लिए तैयार है। सोसायटी ने प्रतियोगी परीक्षाओं को बहुत ज्यादा महिमामंडित कर दिया है जिसकी वजह से बच्चा ये महसूस करता है कि मैं पूर्ण तभी हो सकूंगा जब कोई एग्जाम क्रैक कर लूंगा।

देश में आत्महत्या के हर साल आने वाले मामलों में छात्रों की संख्या सबसे ज्यादा होती है। आंकड़ों की बात करें तो साल 2021 में 13,089 छात्रों ने आत्महत्या की थी, जबकि, साल 2022 में 13,044 छात्रों ने आत्महत्या की। वहीं 2018 से 2020 के दौरान कुल 33,020 छात्रों ने आत्महत्या कर ली। भारत युवाओं का देश है। यहां की 60 फीसदी से ज्यादा आबादी युवा है, लेकिन, अब इसी देश में हर 40 मिनट में एक युवा अपनी जान दे रहा है। ये आंकड़े स्टूडेंट सुसाइड- एन एपिडेमिक स्वीपिंग इंडिया रिपोर्ट की ओर से जारी किए गए हैं। दरअसल, देश में हर दिन 35 से ज्यादा छात्र आत्महत्या कर रहे हैं। साल 2018 से 2022 तक देश में 59,153 छात्रों ने आत्महत्या कर ली।

स्टूडेंट सुसाइड- एन एपिडेमिक स्वीपिंग इंडिया रिपोर्ट, आईसी थ्री की साला कॉन्फ्रेंस में साझा की गई। इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिए नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है। आईसी- 3 एक नॉन-प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन है जो पूरी दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में काम करती है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में जहां आत्महत्या की दर हर साल दो फीसदी की दर से बढ़ रही है, वहीं छात्रों में आत्महत्या की दर चार फीसदी की दर से हर साल बढ़ रही है। यानी देश में आत्महत्या के जितने मामले हर साल आते हैं, उनमें छात्रों की संख्या सबसे ज्यादा होती है। आंकड़ों की बात करें तो साल 2021 में 13,089 छात्रों ने आत्महत्या कर ली थी, जबकि, साल 2022 में 13,044 छात्रों ने आत्महत्या की। वहीं 2018 से 2020 के दौरान कुल 33,020 छात्रों ने आत्महत्या की। छात्रों की आत्महत्या के अलग-अलग मामलों में अलग-अलग वजहें हैं, लेकिन ज्यादातर मामलों में सिर्फ एक वजह है। ये वजह है मेंटल हेल्थ। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में 15 से 24 साल का हर सात में से एक आदमी खराब मेंटल हेल्थ की समस्या से जूझ रहा है।

सबसे बड़ी बात तो ये है कि लोग अपनी मेंटल हेल्थ की समस्या को गंभीरता से नहीं लेते, यूनिसेफ के इस सर्वे में ही जितने लोगों ने भाग लिया, उसमें से सिर्फ 41 फीसदी लोग ही अपनी मानसिक समस्या के समाधान के लिए काउंसलर के पास गए। यानी 59 फीसदी लोगों ने इस समस्या को जैसे का तैसा छोड़ दिया।

देश को चाहिए कि वरिष्ठ मनोवैज्ञानिकों की कोई प्रदेश स्तर पर ऐसी कोई संस्था बनाए तो तकनीकि शिक्षा के लिए कोचिंग करने वालों और तकनीकि शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्र-छात्राओं के मानसिक स्तर की समय-समय पर जांच करे। उनकी कोंसलिंग करे। उनकी समस्याओं पर विचार कर छात्र-छात्राओं का सही मार्ग दर्शन करे, ताकि वह आत्महत्या न कर, विपरीत परिस्थिति से संघर्ष करना सीखें। उन्हें जीवन जीने की कला सिखाई जाए। अगर विशेषज्ञ समझें तो कोचिंग करने वाले और तकनीकि शिक्षा प्राप्त करने वाले युवाओं को मेडिटेशन या ध्यान से भी जोड़ा जा सकता है। इससे युवाओं में विषय के प्रति एकाग्रता बढ़ेगी। चिंतन शक्ति का विकास होगा। निगेटिव विचार कम होंगे। ये मेडिटेशन या ध्यान उन्हें पूरे जीवन के लिए नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

-अशोक मधुप

नेताओं के बिगड़े बोल के लिए राजनीतिक दल ही जिम्मेदार

देश की एकता, अखंडता और सम्प्रभुता के लिए सीमा पार से मिलने वाली चुनौती का भारत ने न सिर्फ वर्तमान में बल्कि पूर्व में बखूबी जवाब दिया है। भारत बाहर से मिलने वाली हर चुनौती से निपटने में सक्षम है। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने यह दृढ़ता विश्व में साबित कर दी है। देश के सामने असली दिक्कत अंदरुनी है। अंदरुनी चुनौतियां से निपटना आसान नहीं हैं, वह भी यदि ऐसी हरकतें नेताओं और जनप्रतिनिधियों द्वारा की जाए। जिन पर हर सूरत में देश की आन-बान-शान को ऊंचा रखने की जिम्मेदारी हो, यदि वो ही निम्नस्तरीय कृत्य पर उतर आएं तो सवाल खड़े होना लाजिमी है। मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह ने भारत की जांबाज सेना की अफसर और जज्बे से देश की आईकोन बनी कर्नल सोफिया के बारे अनर्गल टिप्पणी करके कई सवालों को जन्म दिया है।

ऐसा नहीं है कि मंत्री विजय शाह ऐसा कृत्य करने वाले अकेले नेता हैं, जिनकी वजह से देश का नीचा देखना पड़ा है। ऐसा करने वाले नेता की लंबी फेहरिस्त है, जिनके बिगड़े बोल से देश और समाज का सौहार्द्र प्रत्यक्ष या परोक्ष तौर पर प्रभावित हुआ है। मध्यप्रदेश के इस मंत्री को बेशक सजा मिल जाए, इसके बाद भी बड़ा सवाल यही है कि आखिर वह कौनसी वजह है कि नेताओं की जुबान काबू में नहीं रहती। सवाल यह भी है कि वैमनस्य का जहर घोलने वाले ऐसे नेताओं के मामले में कानूनी कार्रवाई का इंतजार क्यों किया जाता है। राजनीतिक दल आगे बढ़ कर कार्रवाई की नजीर पेश क्यों नहीं करते। यदि राजनीतिक दलों ने नेताओं के लिए कोई लक्ष्मण रेखा खींची होती और उसका उल्लंघन करने पर कार्रवाई निर्धारित कर रखी होती तो ऐसी नौबत नहीं आती।

दूसरे शब्दों में कहें तो राजनीतिक दलों की शह ही ऐसे नेताओं के बिगड़े बोलों के लिए जिम्मेदार है। इनकी अनदेखी करने से नेताओं में प्रलाप करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। विगत चुनावों में यदि नेताओं पर दलों ने लगाम कसी होती तो ऐसी पुनरावृत्ति नहीं होती। लोकसभा चुनाव 2024 में प्रचार के दौरान कई बार भाषायी मयार्दा टूटती दिख रही, किन्तु किसी भी पार्टी ने इस पर चिंता नहीं जताई और नेताओं को म्यान में रहने की हिदायतें नहीं दी। कांग्रेस के नेता रणदीप सुरजेवाला ने भाजपा की मथुरा से सांसद हेमा मालिनी के बारे में अमर्यादित टिप्पणी की थी, जिसके बाद चुनाव आयोग की तरफ से कार्रवाई भी की गयी, किन्तु कांग्रेस ने सुरजेवाला के खिलाफ महिलाओं की मयार्दा को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के सोशल मीडिया अकाउंट से एक्ट्रेस कंगना रनौत को लेकर एक आपत्तिजनक पोस्ट शेयर की। इसके जवाब में कंगना ने कहा कि हर महिला गरिमा की हकदार है। हालांकि, विवाद बढ? पर सुप्रिया श्रीनेत के अकाउंट से पोस्ट डिलीट कर दी। चुनाव आयोग की तरफ से उन्हें नोटिस दिया गया था। कंगना रनौत भी नाम लेकर निजी टिप्पणी करने में पीछे नहीं रहीं। कंगना ने राहुल गांधी और मंडी सीट से उनके प्रतिद्वंद्वी विक्रमादित्य सिंह को क्रमशः 'बड़ा पप्पू और 'छोटा पप्पू कहा। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान पूर्व प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू और उनके

सत्व सुकून लाइफकेयर लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 के मजबूत परिणाम घोषित किए

मुंबई। होम डेकोर और विभिन्न सुगंध उत्पादों के विनिर्माण से जुड़ी सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड ने 1.00 प्रति राइट्स इक्विटी शेयर के नकद मूल्य पर 48 करोड़ इक्विटी शेयरों के राइट्स इश्यू की घोषणा की है, जिससे कुल ?48 करोड़ की राशि प्राप्त होगी। इस रणनीतिक कदम का उद्देश्य कंपनी के पूंजी आधार को मजबूत करना और इसके विस्तार के अगले चरण को समर्थन देना है। यह राइट्स इश्यू पात्र इक्विटी शेयरधारकों को 9 मई, 2025 की रिकॉर्ड तिथि तक धारित प्रत्येक 2 फुल्ली पैड इक्विटी शेयरों के लिए 5 राइट्स इक्विटी शेयरों के रेशियों दिए जा रहे हैं। यह इश्यू 30 दिनों की अवधि के लिए खुला रहेगा, जो 28 मई, 2025 को शुरू होगा और 26 जून, 2026 को बंद होगा। यहां यह ध्यान देने योग्य है कि इस इश्यू की समापन तिथि को बढ़ाया नहीं जा सकता है। सेबी के नियमों के अनुसार, सभी अधिकार और आवंटन प्रक्रिया केवल डीमैट रूप में ही की जाएगी। नियामक दिशानिर्देशों के अनुसार आंशिक, आंशिक अधिकारों को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। हालांकि, पात्र शेयरधारक जिनके आंशिक अधिकारों की उपेक्षा की गई है, उन्हें उपलब्धता के अधीन, अपने अधिकारों से अधिक शेयरों के लिए आवेदन करने पर एक अतिरिक्त शेयर के आवंटन के लिए प्रेफरेंशियल विचार किया जा सकता है। सत्व सुकून लाइफकेयर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मीत टी. ब्रह्मभट्ट ने कहा कि श्यह राइट्स इश्यू हमारी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आय से हम परिचालन को बढ़ा सकेंगे, उत्पाद नवाचार को बढ़ा सकेंगे और बाजार में अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर सकेंगे। पिछले एक साल में हमारा मजबूत वित्तीय प्रदर्शन मूल्य सृजन और दीर्घकालिक व्यावसायिक स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। डीमैट खातों में जमा राइट्स अधिकारों को स्टॉक एक्सचेंज मैकेनिज्म या ऑफ-मार्केट ट्रांसफर के माध्यम से आंशिक या पूर्ण रूप से समर्पित किया जा सकता है। बाजार आधारित निकासी की अंतिम तिथि शुक्रवार, 20 जून 2025 है। यह ध्यान देने योग्य है कि यह पूंजी निवेश ऐसे समय में किया गया है जब कंपनी मजबूत वित्तीय प्रदर्शन कर रही है। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 74.8% बढ़कर 84.22 लाख हुआ था, जबकि परिचालन से आय 6% बढ़कर 105.16 लाख हुई थी। पूरे वित्तीय वर्ष के आधार पर कंपनी का प्रदर्शन अधिक प्रभावशाली रहा। कंपनी का शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 109.1% बढ़कर 248.94 लाख हो गया था। इसके अतिरिक्त, 12 महीनों के लिए परिचालन से आय में 48.1% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 526.30 लाख तक पहुंच गई है। ये परिणाम कंपनी की मजबूत परिचालन गति के साथ-साथ सुगंध और गृह सज्जा उद्योग में इसकी बढ़ती उपस्थिति को दशार्ते हैं।

सिंटेल बाय अरविंद ने लॉन्च की SNEOS NE सीरीज

मुंबई। एंटरप्राइज कम्युनिकेशन, एवी इंटीग्रेशन, नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर और सिक्योरिटी & सर्विलेंस समाधान में ३० वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाली अग्रणी कंपनी सिंटेल बाय अरविंद ने आज डिजिटल रूप से रठएडर ठए सीरीज इंटरएक्टिव फ्लैट पैनल डिस्प्ले को लॉन्च किया। यह नई सीरीज आधुनिक कक्षाओं और सहयोगात्मक कार्यस्थलों के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई है। आधुनिक शिक्षा और सहयोग के लिए तैयार की गई रठएडर ठए सीरीज, उपयोगकताओं को एक सहज, उच्च प्रदर्शन वाला अनुभव प्रदान करती है। यह सीरीज Android 14 पर आधारित है और इसमें 8GB RAM और 128GB ROM है, जिससे तेज, उत्तरदायी कार्यक्षमता और आसान मल्टीटास्किंग संभव हो पाती है।

सनस्क्रीन का रोजाना इस्तेमाल स्किन की देखभाल के लिए उपयुक्त

मुंबई। सनस्क्रीन सिर्फ गर्मियों की चीज नहीं, बल्कि इसका रोजाना इस्तेमाल स्किन की देखभाल का जरूरी हिस्सा है। अक्सर लोग सोचते हैं कि एसपीएफ सिर्फ तेज धूप या समंदर किनारे जाने पर ही लगाना चाहिए, लेकिन सच ये है कि सूरज की हानिकारक यूवी किरणें बादलों और बारिश के दौरान भी आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसीलिए इस सनस्क्रीन डे पर, द बॉडी शॉप आपको अपने पसंदीदा स्किनकेयर प्रोडक्ट्स के जरिए रोजाना सनस्क्रीन लगाने की आदत को अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। क्योंकि आपकी स्किन को सिर्फ धूप से नहीं, बल्कि नीली रोशनी, प्रदूषण और बदलते मौसम से भी हर दिन सुरक्षा चाहिए। इसीलिए इस सनस्क्रीन डे पर, द बॉडी शॉप आपको अपने पसंदीदा स्किनकेयर प्रोडक्ट्स के जरिए रोजाना सनस्क्रीन लगाने की आदत को अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। क्योंकि आपकी स्किन को सिर्फ धूप से नहीं, बल्कि नीली रोशनी, प्रदूषण और बदलते मौसम से भी हर दिन सुरक्षा चाहिए। रोज की धूप, धूल और तनाव से आपकी त्वचा को बचाने के लिए द बॉडी शॉप का स्किन डिफेंस मल्टी-प्रोटेक्शन लाइट एसेंस SPF 50 PA+++ एक बेहतरीन हल्का और नॉन-स्टिकी फॉर्मूला है। यह सिर्फ सनस्क्रीन नहीं झ ये आपकी स्किन की डेली शील्ड है, जो स्किन को हाइड्रेट भी करता है और यूवीए/यूवीबी किरणों से मजबूत सुरक्षा भी देता है। SPF 50 PA+++ के साथ, यह सूरज की हानिकारक किरणों से आपकी स्किन को पूरी तरह बचाता है। हल्का, तेजी से अवशोषित होने वाला फॉर्मूला - बिना सफेद परत छोड़े जल्दी अवशोषित होता है। हायलूरोनिक एसिड से युक्त, जो बिना किसी भारीपन या चिपचिपाहट के हाइड्रेशन प्रदान करता है। प्रदूषण और नीली रोशनी के संपर्क से सुरक्षा दिलाता है। नॉन-कॉमेडोजेनिक, नॉन-स्टिकी और संवेदनशील त्वचा के लिए यह उपयुक्त है।

पेटीएम पर यूपीआई स्टेटमेंट डाउनलोड करना हुआ आसान

मुंबई। भारत का प्रमुख मोबाइल भुगतान और वित्तीय सेवाओं का प्लेटफॉर्म पेटीएम अब टैक्स फाइलिंग, बजट प्लानिंग या एक्सेल-आधारित खर्चों की ट्रैकिंग के लिए यूपीआई स्टेटमेंट डाउनलोड करना बेहद आसान बनाता है। सिर्फ कुछ टैप में, उपयोगकर्ता अपने यूपीआई लेनदेन का इतिहास पी.डी.एफ. या एक्सेल फॉर्मेट में डाउनलोड कर सकते हैं, जिससे यह टैक्स बचत दस्तावेज, पुनर्भुगतान दावों, व्यक्तिगत बजट या मासिक खर्चों के विश्लेषण में उपयोगी होता है। यह नया फीचर पेटीएम की इस प्रतिबद्धता को दशार्ता है कि वह व्यक्तिगत वित्तीय डेटा को स्मार्ट तरीकों से मैनेज और एक्सेस करने में मदद करता है। चाहे किसी भुगतान समस्या का समाधान हो, पिछले खर्चों की जांच करनी हो, या अपने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सी.ए.) या वित्तीय योजनाकार के साथ रिकॉर्ड साझा करना हो – इस स्टेटमेंट में दिनांक, समय, राशि, प्राप्तकर्ता का नाम और अन्य सभी जरूरी विवरण शामिल होते हैं ताकि हर यूपीआई भुगतान स्पष्ट रूप से दर्ज हो। यह सुविधा उन सभी पेटीएम यूपीआई उपयोगकताओं के लिए उपलब्ध है जिनके बैंक खाते ऐक्सिस बैंक, यस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, या एच.डी.एफ.सी. बैंक से लिंक्ड हैं। यह डिजिटल वित्त को और आसान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है – खासकर उनके लिए जो व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन या आयकर दाखिल करने के लिए एक्सेल का उपयोग करते हैं।

पालघर जनपद के दो ग्राम पंचायत अधिकारियों को मिला राज्य स्तरीय पुरस्कार

मुंबई (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। मुंबई स्थित यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान में मंगलवार 27 मई को ह्ययशवंतराव चव्हाण पंचायत राज अभियान 2025ह्व के अंतर्गत महाराष्ट्र शासन के ग्रामविकास विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह बड़े ही उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हो गया। इस समारोह में महाराष्ट्र प्रदेश के राज्यपाल पी. सी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ ग्रामविकास और पंचायत राज मंत्री जयकुमार गोरे तथा गृहराज्यमंत्री (शहरे), पंचायत राज योगेश कदम विशेष रूप से मौजूद थे। इस अवसर पर पालघर जिले के दो ग्राम पंचायत अधिकारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। वर्ष 2022-23 के लिए मनोर (तहसील - पालघर) के ग्राम पंचायत अधिकारी नितीन देऊ पवार तथा वर्ष 2023-24 के लिए गो?हे (तहसील - वाडा) के ग्राम पंचायत अधिकारी दीपक पांडुरंग पाटील को यह राज्य स्तरीय गौरव प्राप्त हुआ है। इस सम्मान समारोह में पालघर जिला परिषद की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, प्रकल्प संचालक डॉ. रूपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (साप्रवि) इजाज अहमद शरीक मसलत तथा चंद्रशेखर जगताप (ग्राम पंचायत विभाग) उपस्थित रहे। इस मौके पर राज्यपाल राधाकृष्णन ने अपने संबोधन में कहा, ह्वआदिवासी समाज के सच्चे विकास के लिए उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना आवश्यक है। प्रशासन को पारदर्शी और तेजगति से चलाने के लिए डिजिटल सेवाओं, ऑनलाइन पोर्टलों और कंप्यूटराइज्ड प्रणाली का उपयोग अत्यंत आवश्यक है ह्व उन्होंने आगे कहा, ह्वप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की यह नीति है कि संपत्ति का निर्माण कर उसे जरूरतमंदों तक पहुँचाया जाए। यही गरीबी हटाने का सच्चा उपाय है ह्व लगातार दो वर्षों तक पालघर जिले के अधिकारियों को यह पुरस्कार मिलने से पूरे ज़िले का मान-सम्मान बढ़ा है और यह अन्य अधिकारियों के लिए भी प्रेरणादायी सिद्ध होगा।

भिवंडी अपराध शाखा पुलिस ने बांग्लादेशी महिला को किया गिरफ्तार

भिवंडी। भिवंडी अपराध शाखा पुलिस ने ३१ वर्षीय सुमी कलाम शेख नामक एक बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार किया। पुलिस नें महिला के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले के अनुसार महिला आरोपी मूलतः ग्राम बोनगिरा, जिला जिहींदा, बांग्लादेश की रहने वाली है। वह बिना किसी वैध दस्तावेज अथवा वीजा के बांग्लादेश-भारत सीमा पार कर छुपते-छुपाते भारत में दाखिल हुई थी। और भिवंडी के हनुमान टेकड़ी इलाके में बाथरूम चाळ कमरा नंबर ०१ में रह रही थी। भिवंडी क्राइम ब्रांच टीम ने उसे हिरासत में लिया। इस मामले में महिला पुलिस हवलदार माया डोंगरे ने शिकायत दर्ज कराई है। आरोपी के खिलाफ पारपत्र अधिनियम १९२० की धारा ३ व ४ और परकीय नागरिक अधिनियम १९४६ की धारा १३ व १४ (अ) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

भारी बारिश के बाद घाटकोपर में शिवसैनिकों ने सफाई अभियान चलाया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिवसेना पक्ष प्रमुख उद्धवजी ठाकरे के आदेश पर और ईशान्य मुंबई विभाग प्रमुख सुरेश पाटिल के मार्गदर्शन में, मुंबई में भारी बारिश के कारण बाढ़ आ गई। भारी बारिश के कारण घाटकोपर के निचले भागों में जलजमाव हो गया था।

इस कारण लोगों को होने वाली असुविधा से निजात दिलाने के लिए घाटकोपर पूर्व के राजावाड़ी इलाके में गटरों की सफाई शिवसैनिकों द्वारा की गई।

इस दौरान शिव आरोग्य सेना के मुंबई समन्वयक प्रकाश वाणी, विधानसभा संगठक/महाराष्ट्र शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारी सेना के प्रदेश सचिव सचिन भांगे, चंद्रकांत हल्दनकर एवं अन्य शिवसैनिक उपस्थित थे।

कल्याण में खाड़ी किनारे भूमाफियाओं की नजर

गांधारी पूल के बगल की खाड़ी पर अवैध निर्माण विधायक भोईर ने की कार्रवाई की मांग

कल्याण। कल्याण पश्चिम के विधायक ने एक सनसनीखेज खुलासा करते हुवे कहा कि भूमाफियाओं ने सीधे खाड़ी पर कब्जा जमाना शुरू कर दिया है। इस अतिक्रमण के कारण बाढ़ और पर्यावरणीय संकट का गंभीर खतरा पैदा हो गया है। कल्याण पश्चिम के विधायक विश्वनाथ भोईर ने गांधारी खाड़ी का निरीक्षण करते हुए इस अवैध निर्माण का पदार्फाश किया और संबंधित अवैध निर्माण करने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। भोईर ने चेतावनी देते हुए कहा कि चाहे अतिक्रमणकारियों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त हो, फिर भी उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

कल्याण पश्चिम में अवैध निर्माण का सिलसिला तेजी से बढ़ रहा है, और अब भूमाफियाओं ने गांधारी खाड़ीप पर भी अतिक्रमण शुरू कर दिया है। खाड़ी को मिट्टी से भरकर अवैध निर्माण किया जा रहा है, जिसका खुलासा विधायक भोईर ने किया।

मानसून से पहले आपातकालीन सेवाओं की समीक्षा के लिए विधायक भोईर ने कल्याण-पडघा मार्ग पर स्थित गांधारी खाड़ी का निरीक्षण किया। इस दौरान यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि खाड़ी में बड़े पैमाने पर मिट्टी डालकर उसे भरा जा रहा है और वहां निर्माण कार्य भी शुरू हो गया है।

खाड़ी के संकुचित होने से क्षेत्र में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है, इसलिए इस अतिक्रमण पर तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। विधायक भोईर ने प्रशासन को पत्र भेजकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है और जल्द ही औपचारिक शिकायत दर्ज कराने का भी ऐलान किया है।

ऐसा कहा जा रहा है कि इन भूमाफियाओं को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है, लेकिन विधायक भोईर ने स्पष्ट शब्दों में कहा, कि नदी का तल गायब करने जितना बड़ा राजनीतिक संरक्षण किसी को नहीं दिया जा सकता।

एक व्यक्ति के फायदे के लिए हजारों लोगों की जान खतरे में डालना हम कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। चाहे उन्हें हमारे ही शासन के राजनीतिक लोगों का संरक्षण क्यों न हो, उसे भी माफ नहीं किया जाएगा।₹ इस घटनाक्रम के चलते पर्यावरणीय संतुलन भी खतरे में पड़ गया है। स्थानीय नागरिकों की ओर से भी प्रशासन और पर्यावरण विभाग से इस अतिक्रमण के खिलाफ तुरंत कदम उठाने की मांग की जा रही है।

कैंसर पेशेंट्स एड एसोसिएशन (CPAA) की सीईओ अल्का सप्रू और कार्यकारी निदेशक अनीता पीटर, 25 मई 2025 को मुंबई के श्री शन्मुखानंद चंद्रशेखरेन्द्र सरस्वती ऑडिटोरियम, सायन में आयोजित अमित त्रिवेदी लाइव! म्यूज़िक फॉर अ कॉज धन-संग्रहण कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध गायक और संगीतकार अमित त्रिवेदी का सम्मान करते हुए। यह कार्यक्रम कैंसर रोगियों के समर्थन में और विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया था।

पालघर जिले के सभी किसान लें फसल ऋण का लाभ : जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखड़

पालघर (उत्तरशक्ति)। खरीफ सीजन की शुरूआत के साथ ही किसानों को खेती की लागत और उत्पादन के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता होती है। इस पृष्ठभूमि में पालघर जिले की जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखड़ ने जिले के सभी किसानों से फसल ऋण लेने की अपील की है। डॉ. जाखड़ ने कहा कि किसान अपने नजदीकी बैंक से नया फसल ऋण लेकर खरीफ सीजन की बुवाई और अन्य कृषि कार्यों में इसका उपयोग करें। जिन किसानों ने पहले ही फसल ऋण लिया है, वे अपने ऋण खाते का नवीनीकरण कर लाभ उठाएं और ब्याज माफी योजना का फायदा प्राप्त करें। जिलाधिकारी ने बताया कि जिला अग्रणी बैंक, सहकार विभाग व कृषि विभाग के सहयोग से किसानों के लिए फसल ऋण लेना और भी आसान बनाया जा रहा है। इससे किसानों को आर्थिक संबल मिलेगा और वे अधिक सक्षम बनेंगे। जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखड़ ने आह्वान करते हुए कहा कि जिले के सभी पात्र किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (ङउउ) योजना के अंतर्गत पंजीकरण करवा कर योजना का लाभ जरूर लेना चाहिए।

भाजपा हॉकर्स यूनिट मुंबई द्वारा मुंबई में भारी बारिश में सेवा किया कार्य

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भाजपा हॉकर्स यूनिट मुंबई के अध्यक्ष और पूर्व उप महापौर बाबुभाई भवानजी के नेतृत्व में, पूरी हॉकर्स यूनिट की टीम ने मुंबई में हो रही भारी बारिश के बीच नागरिकों की मदद के लिए दादर और उपनगरीय स्टेशनों पर सेवा कार्य किया।

बता दें कि मुंबई में भारी बारिश के कारण परेशान नागरिकों को टेम्पो , प्राइवेट गाड़ियां,टैक्सी और रिक्शा में बैठाकर सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाया गया। साथ ही, भोजन और छाता वितरण भी किया गया, जिससे हजारों लोगों ने लाभ उठाया।

इस सेवा कार्य में मुंबई भाजपा हॉकर्स यूनिट के मुख्य संघटक विवेक भाटकर,, समाजिक संस्था फ्लोरा फाउंडेशन "NGO के अध्यक्ष :अरुण सबनीस, भाजपा हॉकर्स यूनिट के पद अधिकारी महेश सुर्वे, प्रदीप पानसंदे,संतोष पायगूने सहित अनेक समाजसेवियों ने हिस्सा लिया।

छोटी सौर ऊर्जा परियोजनाएं भी बड़ी महत्वपूर्ण हैं: मनपा आयुक्त

कल्याण। कल्याण डोंबिवली मनपा के 14 स्कूलों में सौर ऊर्जा उत्पादन परियोजनाओं का उद्घाटन आयुक्त अभिनव गोयल ने किया।नगर निगम आयुक्त अभिनव गोयल ने आज कहा कि छोटी, सूक्ष्म सौर ऊर्जा उत्पादन परियोजनाएं बड़ी परियोजनाओं जितनी ही महत्वपूर्ण हैं। जनभागीदारी से 14 नगर निगम स्कूलों में स्थापित सौर ऊर्जा उत्पादन परियोजनाओं का आज आयुक्त अभिनव गोयल द्वारा एक साथ उद्घाटन किया गया।आयुक्त गोयल ने यह वक्तव्य इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों से बातचीत करते हुए दिया। केंद्र और राज्य सरकारों की पहल के कारण देश में सौर ऊर्जा उत्पादन परियोजनाएं बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार ने पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की उपलब्धता को देखते हुए सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है। हालांकि, यह लक्ष्य तब तक हासिल नहीं किया जा सकता जब तक कि देश के हर क्षेत्र की भागीदारी न हो, और आयुक्त अभिनव गोयल ने आगे आने वाले प्रतिष्ठित व्यक्तियों, संस्थानों, निर्माण डेवलपर्स और बिजली संघों को धन्यवाद दिया, उन्होंने कहा कि कल्याण डोंबिवली नगर निगम के स्कूलों में स्थापित ये सौर ऊर्जा उत्पादन परियोजनाएं इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। आयुक्त ने इसके लिए मिशन मोड पर काम करने वाले विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता प्रशांत भागवत और उनकी पूरी टीम की भी विशेष रूप से प्रशंसा की। पहले चरण में, नगर निगम के बिजली विभाग ने कल्याण डोंबिवली के 14 स्कूलों में 25 लाख रुपये से अधिक की लागत से 50 किलोवाट सौर ऊर्जा उत्पादन परियोजनाएं स्थापित की हैं। रीजेंसी ग्रुप, वैष्णवी बिल्डकॉन, कल्याण रनर ग्रुप, रोटरी क्लब ऑफ न्यू कल्याण, मोहन खेड़ा ग्रुप, स्वामी नारायण लाइफ स्पेसेस, थारवानी इंफ्रा, बिरला वान्या, वेस्ट पायनियर सहित मे. एस.एस. इलेक्ट्रिकल वर्क्स, जे.डी. इलेक्ट्रिकल वर्क्स, मे.एस.एस. इलेक्ट्रिक कंपनी, एम.जी. इलेक्ट्रिक एंड कंपनी, टॉप इलेक्ट्रिकल, आशीर्वाद इलेक्ट्रिकल, त्रिमूर्ति एंटरप्राइजेज, रॉयल इलेक्ट्रिकल, किरण इलेक्ट्रिकल, इंटरफेस डिजिटल, एयरटेक सॉल्यूशंस, नेहाल प्रॉपर्टी, मल्हार इलेक्ट्रिक वर्क्स, तुषार इलेक्ट्रिकल, के.बी इलेक्ट्रिकल एंड कंपनी और कल्याण इवेंट्स के माध्यम से वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है। कार्यकारी अभियंता प्रशांत भागवत ने बताया कि एमसीएचआई सचिव मिलिंद चव्हाण मनपा के 16 अन्य स्कूलों में सौर ऊर्जा उत्पादन परियोजनाएं स्थापित करने की जिम्मेदारी लेंगे। इस अवसर पर आयुक्त द्वारा बिजली विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए बिजली बचाने के संदेश वाली विशेष टी-शर्ट का भी अनावरण किया गया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

वाराणसी के प्रियांशु सिंह ने यूपीएससी सीडीएस 2024 में हासिल की 128वीं रैंक

डॉ.एस.के. मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के युवा प्रियांशु सिंह ने यूपीएससी सीडीएस 2024 (संयुक्त रक्षा सेवाएं) परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया रैंक 128 हासिल की है। इस उपलब्धि के साथ प्रियांशु अब ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन होंगे। प्रियांशु सिंह मूल रूप से वाराणसी के ग्राम कैथोर, चोलापुर के निवासी हैं और वर्तमान में द्वारिकापुरी धाम कॉलोनी, परशुरामपुर, पहाड़िया, सारनाथ में रहते हैं। उनके पिता भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हैं, जबकि उनकी माता एक शिक्षिका हैं। प्रियांशु की शैक्षणिक यात्रा भी प्रेरणादायक रही है। उन्होंने सीबीएसई 10वीं में 10 सीजीपीए और 12वीं में गणित स्ट्रीम से 95% अंक हासिल किए। इसके बाद उन्होंने वाराणसी के उदय प्रताप स्वायत्त महाविद्यालय से बीएससी (पीसीएम) और इलाहाबाद विश्वविद्यालय से भौतिकी में एमएससी पूरी की प्रियांशु ने अपनी इस सफलता पर गर्व और खुशी जताते हुए कहा, यह मेरे लिए गर्व का क्षण है। मेरे माता-पिता और गुरुजनों का मार्गदर्शन मेरी इस उपलब्धि का आधार है। मैं भारतीय सेना में सेवा करने के लिए उत्साहित हूं प्रियांशु की इस उपलब्धि पर उनके परिवार, दोस्तों और स्थानीय समुदाय ने हर्ष व्यक्त किया है। उनकी यह सफलता न केवल वाराणसी बल्कि पूरे देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद का दूसरा स्थापना दिवस मनाया गया

पत्रकार सुरक्षा और संगठनात्मक मजबूती पर हुआ मंथन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (रजि.) का दूसरा स्थापना दिवस मंगलवार 27 मई को जलालपुर स्थित मण्डल कार्यालय में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह आयोजन परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र मिश्रा के आह्वान पर आयोजित हुआ जिसकी अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष राजेश गौतम ने की। कार्यक्रम की शुरुआत संगठन के उद्देश्यों और पत्रकारों की सामाजिक भूमिका पर चर्चा के साथ हुई। इस अवसर पर वक्ताओं ने पत्रकारों के साथ हो रहे अपराधों, उत्पीड़न और उनके अधिकारों के संरक्षण पर गंभीर विचार-विमर्श किया। सभी वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान के लिए एक सशक्त संगठनात्मक ढांचा जरूरी है कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश संगठन मंत्री सुरेश शर्मा ने अपने संबोधन में संगठन की उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज का आइना होते हैं, और इनकी सुरक्षा व सम्मान समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने परिषद द्वारा पत्रकार हितों में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।जिलाध्यक्ष तामीर हसन 'शीबू' ने अपने संबोधन में संगठन की मजबूती और एकता पर बल देते हुए कहा कि आज के समय में पत्रकारों को संगठित होने की सख्त जरूरत है। उन्होंने जिले में संगठन को और सक्रिय और प्रभावशाली बनाने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम में अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी विचार रखे। समापन के दौरान संगठन के आगामी कार्यक्रमों और पत्रकार सुरक्षा को लेकर रणनीतियों पर भी चर्चा हुई इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में मंडल उपाध्यक्ष बृजेश कुमार, मंडल महासचिव सुजीत यादव, प्रदेश संगठन मंत्री सुरेश शर्मा, जिला प्रभारी शशिकांत मौर्य, जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह, इजहार हुसैन, इम्तियाज अहमद, जिला महासचिव मनीष श्रीवास्तव, रियाजुल हक, अनवर हुसैन, राहुल गुप्ता, जिला सचिव रवि केशरी,जिला आई टी सेल प्रभारी मोहू अल्ताफ, तहसील अध्यक्ष रवि सिन्हा, सिकंदर भारती, कपिल देव सिंह, हिमांशु विश्वकर्मा, गणेश निगम, अभिषेक पटेल, विशाल गौतम, मीडिया प्रभारी सहित बड़ी संख्या में मौजूद रहे।कार्यक्रम का संचालन विधि सलाहकार अमित तिवारी ने किया।

शाहगंज पुलिस ने वांछित को किया गिरफ्तार

शाहगंज ,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डॉ0 कौस्तुभ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के कुशल निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के निकट पर्यवेक्षण मे तलाश वारण्टी/वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे।अभियान के क्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 171/2025 धारा 140(4) भारतीय न्याय संहिता 2023 व 5एम/6 पॉक्सो एक्ट में वांछित 1.विजय राजभर पुत्र प्रेमचन्द राजभर निवासी सबरहद उजरौटी थाना शाहगंज जनपद जौनपुर को आज दिनांक 27.05.2025 को समय 08:05 बजे घर से गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है ।

पीड़ित परिवार की सहायता हेतु जिलाधिकारी ने किया चार सदस्यीय समिति का गठन

शासन की विभिन्न योजनाओं से किया जाएगा आच्छादित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना जफराबाद अंतर्गत सा. मो. मोहम्मदपुर कांध गांव में गत 25 मई 2025 को नेवादा हाईवे के पास निजी दुकान में लालजी गौतम, गुड्डू गौतम और यादवीर की मृत्यु से सम्बन्धित मार्मिक और संवेदनशील प्रकरण के सन्दर्भ में जिलाधिकारी ने अवगत कराया है कि पुलिस प्रशासन के द्वारा तत्काल मुकदमा पंजीकृत कर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी गई है। स्व0 गुड्डू की पत्नी सरिता ने जिलाधिकारी से मिलकर अपने परिवार की सुरक्षा तथा अपराधियों की गिरफ्तारी आदि की मांग की, जिसपर जिलाधिकारी ने उन्हें सांत्वना देते हुए कहा कि शासन की योजनाओं से बच्चों को लाभान्वित किया जायेगा, जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित न हो तथा परिवारजन को पेंशन आदि का लाभ भी दिया जायेगा।जिलाधिकारी ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना बहुत ही मार्मिक है। इस कठिन घड़ी में जिला प्रशासन तथा पुलिस प्रशासन पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनशील है तथा कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है, अपराधियों पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र तथा पुलिस अधीक्षक डा. कौस्तुभ द्वारा लगातार घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि मृतक के नाबालिक बच्चों को भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास विभाग के मिशन वात्सल्य योजना के तहत स्पॉन्सरशिप योजना से आच्छादित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक बच्चे को रु0 4000 महीना, 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक दिया जाएगा। महिला कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा दोनों विधवा महिलाओं को निराश्रित महिला पेंशन से आच्छादित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक महीने रु0 1000 मिलेगा तथा समाज कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के तहत दोनों परिवारों को रुपए 30-30 हजार आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी, साथ ही उन्हें श्रम विभाग के अन्तर्गत संचालित योजनाओं का लाभ भी दिया जाएगा। जिलाधिकारी के द्वारा एक चार सदस्यीय कमेटी गठित की गई है जिसमे बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी और सहायक श्रम आयुक्त सदस्य होंगे, जिनके द्वारा मृतक के घर पर जाकर उन्हें शासन की योजनाओं से लाभान्वित किये जाने हेतु उनकी पात्रता के सम्बन्ध में सत्यापन करते हुए उन्हें राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, पेंशन, शिक्षा आदि से सम्बन्धित योजनाओं का लाभ प्रदान करने हेतु अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित किया जाएगा।

दबंगो के भय से भुक्तभोगी ने एसपी से लगाई गुहार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव में विगत कई दिनों से मनबढ़ किस्म का व्यक्ति अपने पड़ोसी को लगातार लाठी डंडे से धमका चमका कर मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे है। इससे आहत होकर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।भुक्तभोगी विजय प्रताप पांडेय ने कलेक्ट्री कचहरी में पहुंचकर एक प्रार्थना पत्र पुलिस अधीक्षक जौनपुर को दिया उसने उस प्रार्थना पत्र में लिखा है मेरे भाई और मेरा पड़ोसी अमरजीत सिंह भाइयों के चढ़ावे में आकर वह हम लोगों को गाली गलौज देता है और रात में डंडे लेकर घूमता है ताकि सभी भयभीत रहे। इससे विजय प्रताप पांडेय ने थक कर पुलिस अधीक्षक महोदय से यह गुहार लगा रहे है। जो दबंग किस्म के लोग हैं उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिले ताकि हम अपना जीवन यापन आसानी से जी सके नहीं तो आए दिन लोग परेशान करते रहेंगे।

सई नदी में नहाते समय बालक के डुबने से हुई मौत

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमन यादव उम्र 16 वर्ष पुत्र राधेश्याम यादव निवासी साढ़ा जनपद सुल्तानपुर के रहने वाले हैं।अमन यादव अपने ननिहाल धनछुवा गांव थाना सुजानगंज गर्मी की छुट्टी में आया था सोमवार को अपने कुछ साथियों के साथ सई नदी के बेर्रा घाट पर नहाने आया था। नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया, और वह डूब गया शोरगुल सुनकर वहां कुछ मल्लाह आ गए और उसे नदी से बाहर निकाला। आनन-फानन में उसके साथियों ने सुजानगंज अस्पताल ले आए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बिना सूचना के उसके साथियों ने लास लेकर भाग गए, सूचना पर परिजन पहुंच कर लास को अपने घर उठा ले गए ।इस घटना को लेकर क्षेत्र में चचाएं होने लगी।पूछने पर थानाध्यक्ष यजुवेंद्र सिंह ने बताया कि इस घटना की जानकारी नहीं है, फिर भी पता करवा रहे हैं।

गुरैनी में तीसरे पुलिस सहायता केंद्र का हुआ शुभारंभ

खेतासराय थाना क्षेत्र के गुरैनी में सीओ के किया पुलिस सहायता केन्द्र का उद्घाटन

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय क्षेत्र के गुरैनी बाजार में मंगलवार को नवस्थापित पुलिस सहायता केंद्र का उद्घाटन क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत कुमार सिंह चौहान ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान ने कहा कि इस केंद्र के शुरू होने से ग्रामीणों को अब पुलिस संबंधित छोटे-मोटे कार्यों के लिए दूर थाना नहीं जाना पड़ेगा। स्थानीय स्तर पर ही त्वरित शिकायतों का समाधान, सामान्य विवादों का निस्तारण और सतर्कता से जुड़ी सूचनाएं साझा की जा सकेंगी। इससे पुलिस और आमजन के बीच पारस्परिक संवाद बेहतर होगा। साथ ही अपराध नियंत्रण में भी मदद मिलेगी। थाना प्रभारी रामाश्रय राय ने कहा कि यह सहायता केंद्र ग्रामीणों की सुरक्षा की दिशा में एक सार्थक पहल है। उन्होंने ग्रामीणों से किसी भी आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने और सहयोग करने की अपील की। ग्रामवासियों ने पुलिस प्रशासन के इस कदम का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के लिए लाभकारी बताया। थानाध्यक्ष ने कहा कि अब जनता की राह पुलिस तक आसान होगी। इस सहायता केन्द्र को अमली जामा पहनाने में मुख्य आरक्षी नफीस सिद्दीकी,व अंकुश सिंह ने मुख्य भूमिका निभाई इस अवसर पर उपनिरीक्षक शैलेश राय,संदीप सिंह,शुभम त्यागी,न्यायधीश वर्मा,मुकेश सिंह,शैलेश यादव,शिव गोबिन्द,त्रिगुण यादव, मतलूब नेता,रूपेश गुप्ता मोनू, गोलू यादव,सफर शेख,प्रधान हसीब अहमद,बाबर सिद्दीकी,रब्बानी, आदि क्षेत्र के गणमान्य उपस्थित रहे।

लंबित मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना योजना के आवेदनों की लगातार समीक्षा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में मुख्यमंत्री और अध्यक्ष बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के निर्देशो के क्रम में विगत पिछले कई वर्षों से लंबित मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना योजना के आवेदनों की लगातार समीक्षा की जा रही है। आज जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी के समक्ष देवा जी पत्नी स्वर्गीय फौजदार शर्मा उपस्थित हुई तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के अन्तर्गत वर्ष 2019 से लम्बित प्रकरण के सन्दर्भ में जिलाधिकारी को अवगत कराया स्वर्गीय फौजदार शर्मा की मृत्यु 01 फरवरी 2023 को सड़क दुर्घटना में हो गई थी। जिसपर जिलाधिकारी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए सम्बन्धित को कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जिसके क्रम में जिलाधिकारी द्वारा आज उन्हें स्वीकृति प्रमाण-पत्र भी वितरित किया गया। देवा जी द्वारा मा0 मुख्यमंत्री जी एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत ऑनलाइन 751 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें से 619 आवेदन निस्तारित कर दिए गए हैं और अवशेष 132 आवेदनों को 03 दिन के भीतर निस्तारित कर दिया जाएगा। 08 मई 2025 से 27 मई 2025 के मध्य 400 से भी अधिक लम्बित आवेदनों का निस्तारण कराया गया।

रिक्शा चालक ने की आत्महत्या

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जफराबाद थाना क्षेत्र के दरीबा गांव में सोमवार की रात एक रिक्शा चालक ने फांसी पर लटक कर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। परिवार वालों को घटना की जानकारी सुबह मंगलवार को हुई जब पत्नी कमरे में चाय लेकर पहुंची। दरीबा गांव निवासी नरेन्द्र उर्फ पप्पू 50 रिक्शा चालक थे। रोज की भांति वे खाना खाकर अपने कमरे में सोने चले गये। सुबह पत्नी चमेली देवी जब उनके कमरे में चाय देने गयी तो देखा कि वे फांसी के फंदे से झूल रहे हैं। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने पर शव को नीचे उतारा गया। आवश्यक कार्यवाही करते हुए चौकी इन्चार्ज मनोज राय ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्डम हेतु भेज दिया। परिवार वालों रो रो कर बुरा हाल है।

संस्थापक स्वर्गीय बाबू बालेश्वर लाल की 38वी पुण्यतिथि मनाई गयी

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संस्थापक स्वर्गीय बाबू बालेश्वर लाल की 38वी पुण्यतिथि मंगलवार को तमसा प्रेस क्लब में मनाई गयी । पत्रकारों ने बालेश्वर लाल के चित्र पर माल्यार्पण पुष्पांजलि अर्पित कर उनके कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष बृज भूषण उपाध्याय ने ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के कार्य एवं उसके उद्देश्य से पत्रकारों को परिचित कराते हुए कहा कि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संस्थापक स्वर्गीय बाबू बालेश्वर लाल की सोच थी कि गांव में रहने वाले ग्रामीण जो शासन की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने एवं जनता की समस्याओं को शासन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं । उन्हें एक सूत्र में बांधकर उनकी समस्याओं को भी शासन तक पहुँचाया जाय। उन्होंने ने कहा उनके विचारों से प्रेरणा लेकर हमें संगठन को मजबूत करने की जरूरत है ।मनोज ओझा ने कहा कि बालेश्वर लाल हमेशा ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े पत्रकारों को एक जुट कर समाज और शासन प्रशासन के बीच एक नई पहचान दिलाई। वे हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनका विचार आज भी जिंदा है। अशोक सिंह, अच्युतानंद त्रिपाठी, सिद्धेश्वर ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गांव में तमाम समस्याओं को शासन प्रशासन तक पहुंचाने में सेतु का काम ग्रामीण पत्रकार करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बृजभूषण उपाध्याय व संचालन कृष्ण मोहन उपाध्याय ने किया ।कार्यक्रम में रविन्द्र कुमार मिश्र, अजय मिश्रा, अशोक विश्वकर्मा ,इंद्रेश सिंह, संतोष मिश्रा ,अजय कुमार,सिद्धेश्वर आशुतोष मिश्रा तारकेश्वर मिश्रा ओमकार मिश्रा, सती राम, नायक यादव, देवेंद्र मिश्रा आशीत कुमार, हीरालाल शर्मा ,रूपेश, चंद्र तिवारी, सुमित उपाध्याय ,संतोष चौबे, अखिलेश कुमार चौबे, शशिकांत पांडे , राम प्रसाद मिश्र, मनोज कुमार सिंह, शैलेंद्र यादव, वीरेंद्र सिंह, अरविंद कुमार पांडे ,अजय राय सहित दर्जनों ग्रामीण पत्रकार मौजूद रहे।

व्यापार मंडल ने व्यापारिक आंदोलन में शहीद हुए व्यापारियों को दी श्रद्धांजलि

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जौनपुर उद्योग व्यापार मंडल ने व्यापारिक आंदोलन में शहीद हुए व्यापारियों को गल्ला मंडी स्थित जिला कैंप कार्यालय पर एक कार्यक्रम आयोजित करते हुए शहीद दिवस मना कर श्रद्धांजलि दिया गया ।जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा के आह्वान पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की स्थापना से लेकर आज तक विभिन्न व्यापारिक आंदोलनो में गोली, लाठी खाने के दौरान शहीद हुए व्यापारियों के स्मृति में 26 मई शहीद दिवस के रूप में मनाता है साथ में वरिष्ठ व्यापारियों का सम्मान भी किया जाता है ।प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी ने शहीद हुए व्यापारियों को व्यापार जगत का सर्वोच्च बलिदान बताया और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किया। प्रदेश मंत्री महेंद्र सोनकर एवं नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने संयुक्त रूप से बताया कि व्यापारियों की लड़ाई लड़ते-लड़ते कुल 14 व्यापारी आज तक शहीद हुए हैं जिन्हें 26 मई को प्रदेश के प्रत्येक जिले में याद किया जाता है जिसमें 26 मई 1979 को स्वर्गीय हरिश्चंद्र अग्रवाल जी व्यापारियों की लड़ाई लड़ते हुए शहीद हुए थे तथा साथ में जौनपुर जनपद से मुक्तीगंज निवासी स्व.अशोक राय जी 14 सितंबर 1993 को व्यापारियों की लड़ाई लड़ते हुए शहीद हुए थे ।जिला संरक्षक राजदेव यादव तथा प्रदेश युवा कोषाध्यक्ष संतोष अग्रहरि ने संयुक्त रूप से कहा कि व्यापारी हितों की रक्षा के लिए अपने प्राण निछावर करने वाले साथियों की याद में व्यापार मंडल श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करता है और उन सभी वीर सपूतों को याद किया जाता है ।जिन्होंने व्यापारियों की लड़ाई लड़ते-लड़ते अपने प्राण दे दिए कार्यक्रम में निम्न वरिष्ठ व्यापारियों को माल्यार्पण करते हुए अंग वस्त्र पहनाकर स्मृतिचिन्ह भेट करते हुए सम्मानित किया गया ।जगदीश चंद्र गाढ़ा, लालमनी यादव, हीरालाल साहू, रामशरण मौर्य, अशोक भाटिया सम्मानित हुए सभी वरिष्ठ व्यापारियों ने व्यापार मंडल के इस कार्य की सराहना किया ।कार्यक्रम में जिला महामंत्री रामकुमार साहू नगर महामंत्री मुन्नालाल अग्रहरि एवं मनोज कुमार साहू,अमर जौहरी, अशोक साहू, विजय गुप्ता, शाहिद मंसूरी, संतोष साहू, गुलजारीलाल गुप्ता, अभिषेक सेठ, ज्ञानेंद्र साहू, अजय देवा, योगेश भाटिया, राकेश जायसवाल, चंदन सेठ, सोमेंद्र अग्रहरि आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने किया, उपस्थित व्यापारियों का आभार जिला महामंत्री रामकुमार साहू ने व्यक्त किया।

विभिन्न नाली व इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पालिका परिषद, जौनपुर क्षेत्रान्तर्गत मो० मीरपुर में संजय गौतम के मकान से रामआसरे के मकान तक नाली व इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य रू0-5.50 लाख, मो० विशेषरपुर में गिरजा शंकर के घर से निहोर के घर तक व छोटई के मकान से चीरन गौतम के मकान तक इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य रू0-5.42 लाख, मो० सिपाह में कपिल पान वाले के मकान से कैप्टन जहिर के मकान तक बीच में नाली व इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य रू0-5.32 लाख, मो० मरदानपुर में बंशराज साहू के मकान से अतुल श्रीवास्तव के मकान तक नाली व इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य रू0-5.99 लाख तथा मो० मरदानपुर में स्टेशन रोड पर मौर्या आप्टिकल से जी०जी०आई०सी० स्कूल गली तक इण्टरलाकिंग सड़क निर्माण कार्य रू0-8.69 लाख का लोकापर्ण आज दिनांक 26.05.2025 को मा० अध्यक्ष , नगर पालिका परिषद, जौनपुर (मनोरमा मौर्या) के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष व उनके प्रतिनिधि डॉ० रामसूरत मौर्या के लोकापर्ण स्थल पर पहुँचने पर उपस्थित लोगों ने पुष्पों का हार भेंट करते हुए जोरदार स्वागत एवं अभिनन्दन किया। स्थानीय जनता ने उक्त कार्य के लोकापर्ण होने की स्थिति में वर्तमान पालिका अध्यक्ष द्वारा की गयी उपलब्धियों पर उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी। जिस पर लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से जय घोस करते हुए जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर जयशंकर बिन्द सभासद, अलमास अहमद सिद्धीकी सभासद, अनिल यादव सभासद, अनिता यादव , सभासद, संतोष मौर्या ना सभासद, सागर अवर अभियन्ता सिविल, इन्द्रेश यादव अवर अभियन्ता सिविल, रागिनी मौर्या अवर अभियन्ता जलं, प्रियंका यादव अवर अभियन्ता जल, अवधेश यादव सफाई निरीक्षक, अवधेश कुमार राय कार्यालय अधीक्षक, अरविन्द यादव लिपिक, संतोष शुक्ला मेठ, गुलजार अली मेठ, संजीव यादव, रामजीत मौर्या, रामजी पाल, शिवकुमार गौर्या, रामसकल मौर्या, अधीर मौर्या, अरविन्द मौर्या, रोहित मौर्या, विजय यादव, लालू प्रसाद कान्दू सहादुर, पन्नालाल, अरूण कुमार श्रीवास्तव, इमरान, अनवर आदि लोग उपस्थित थें।

अधेड़ महिला को मारी गोली इलाज के दौरान मौत

-रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना बदलापुर क्षेत्र के देवापट्टी गांव में सोमवार देर शाम एक सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया। गांव निवासी एक अधेड़ महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो गई। हालांकि पति का आरोप है कि उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पति की तहरीर पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त पिस्टल भी बरामद कर लिया है। घटना के संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने बताया कि सोमवार की शाम करीब चार बजे रामजतन कनौजिया, जो कि देवापट्टी गांव का निवासी हैं, ने थाने में तहरीर दी। उन्होंने बताया कि वह गांव के ही जयभारत मिश्रा के यहां कार्य करते हैं। रामजतन के अनुसार, किसी बात को लेकर जयभारत मिश्रा ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से उनकी पत्नी फूलपत्ती को गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल महिला को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने रामजतन की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी जय भारत मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है और उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई पिस्टल भी बरामद कर ली गई है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है ।इस वारदात से गांव और आस-पास के इलाकों में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और भरोसा दिलाया है कि आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

يسرٰی حکیمی دواخانہ
Regd.No20230048
यूसरा हकीमी दवाखाना
हमारी कोशिश, आपका विश्वास...
उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है ।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज
मंगलवार बंदी बाक़ी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
Mob.: 9198443844, 8960275665
नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज किया जाता है ।
अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक
सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा ।
पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

जनता अपना हक लेने के लिए आगे आये : जीशान अहमद खान

-विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। किसी को भी अपने हक व हकूक के लिए उसे आगे आना होगा खासकर पिछड़े और दलित समुदाय को ।जिसे सभी राजनैतिक पार्टियों ने सिर्फ वोट के लिए इस्तेमाल किया।

उक्त बातें मंगलवार की दोपहर नगर के जेसीज चौक अयोध्या मार्ग समाजिक संस्था जेड एफ एम फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष वाटर मैन के नाम से प्रसिद्ध जीशान अहमद खान ने कार्यकताओं द्वारा शाहगंज में प्रथम आगमन पर स्वागत के बाद मीडिया कर्मियों से बातचीत के दौरान कही। खान ने एक सवाल के जवाब में कहा की हम राजनीति में जरूर आएंगे और क्यों न आये संविधान हमे इजाजत देता है। आखिर दबे कुचले पिछड़े की आवाज बनने के लिए किसी को तो आगे होना । उन्होंने आगे कहा की जो लोग राजनीति में हैं और उन्हें जो करना चाहिए वो नही हो रहा है। हम राजनीति में आएंगे वो सब करके दिखाएंगे जो जनता का अधिकार है ।एक सवाल के जवाब में जीशान अहमद खान ने कहा की हम जनहित से जुड़े सभी मुद्दों की लिस्ट बनाएं हैं और अब जिम्मेदारों से मिलेंगे की अब तक यह काम क्यों नही हुआ। जिम्मेदारों को इसका जवाब देना होगा। नही तो यही जनता आगामी चुनाव में ऐसे नेताओं को अपने मताधिकार से अवश्य सबक शिखायेगी। लखनऊ एयरपोर्ट से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे होते हुए सीधे शाहगंज पहुँचे जीशान अहमद खान को संस्था के कार्यकताओं ने गुलदस्ता देकर और फूल मालाओं से लाद दिया ।जीशान अहमद खान अपने स्वागत से अभिभूत नजर आये और कार्यकताओं को अपनी ताकत बताते हुए उन्हें क्रांतिकारी सिपाही बताया ।उक्त मौके पर अरशद अंसारी, पूर्व वरिष्ठ सभासद मकसूद हसन, अख्तर अंसारी, विशाल सोनी, डाक्टर फरहान खान, शिव कुमार प्रजापति, आमिर अंसारी, शाहनवाज अंसारी, दीपक सिंह, शहजाद मंसूरी, प्रभात गुप्ता, उत्तम अग्रहरि, सचिन गुप्ता पंडित जी, मोहम्मद सैफ, अतहर अंसारी डाक्टर तय्यब अंसारी ,सेराज अंसारी ,दिलशाद,सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेवायोजन पोर्टल के माध्यम से 29 खेलों में अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षक हेतु आवेदन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के निर्देश के क्रम में क्रीड़ा अधिकारी ने अवगत कराया गया है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 29 खेलों में (पॉवरलिफ्टिंग व साईकिलिंग को छोड़कर) अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों की रिक्तियों के सापेक्ष तैनाती हेतु सेवायोजन पोर्टल के माध्यम से सेवाप्रदाता फर्म मेसर्स टी0 एण्ड एम0 सर्विसेज कन्सल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड दहिसर, मुम्बई द्वारा अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों हेतु आवेदन करने हेतु रिक्तियां सेवायोजन पोर्टल पर 25 मई 2025 से प्रदर्शित कर दी गयी हैं तथा पोर्टल पर आवेदन करने की अन्तिम तिथि 08 जून, 2025 है। प्रदेश में अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों के रिक्त स्थानों को जेम पोर्टल के माध्यम से भरा जाना है। अतः विभिन्न खेलों में पात्र अभ्यर्थियों जैसे-अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी, एन0आई0एस0/ एल0एन0आई0पी0ई0 डिप्लोमाधारी खिलाड़ियों को सूचित किया जाता है कि सेवायोजन पोर्टल पर जाकर वैकेन्सी के अंतर्गत प्राइवेट जॉब में अपना पंजीकरण कराते हुए जेम पोर्टल पर आवेदन कर लें ताकि समय से रिक्तियों को पूर्ण कर प्रदेश भर में प्रशिक्षण शिविर का संचालन कराया जा सके।

कांदिवली में कृत्रिम अंग सेवा मुफ्त चिकित्सा कैम्प का आयोजन

कांदिवली, मुंबई। किसी दुर्घटना में हाथ या पैर गंवा चुके निराश्रित जरूरतमंद नागरिकों की सेवा में भाग्योदय चॅरिटेबल ट्रस्ट द्वारा कृत्रिम अंग सेवा मुफ्त चिकित्सा कैम्प का आयोजन किया गया। हलाई लोहाना बालाश्रम हॉल, कांदिवली-पश्चिम में आयोजित इस कैम्प का उद्घाटन पूज्यश्री भूपेन्द्रभाई पंड्या तथा उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने किया। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने उद्घाटन के उपरांत वहां उपस्थित गणमान्य नागरिकों को संबोधित भी किया। इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ दहिसर विधानसभा की विधायक मनिषाताई चौधरी और कई अन्य महानुभाव उपस्थित रहे।

संस्कृत विद्यालय में टॉपर्स रहे विद्यार्थियों का किया सम्मान

चिराना। राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय पुरोहितों की ढाणी में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित हुई वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा मे टॉपर्स मोनिका गुर्जर, कन्हैयालाल एवं मोनिका पुत्री शंभु दयाल गुर्जर का शाला प्रधानाचार्य किशोरी लाल सिंघल, एसएमसी अध्यक्ष बनवारी लाल जांगिड़ द्वारा साफा पहनाकर मोमेंटो प्रदान कर इस उपलब्धि पर सम्मान किया गया। इस सम्मान समारोह में हीरालाल जांगिड़ ,महिपाल कल्याण, धूड़मल जोया ,प्रदीप कुमार शर्मा ,संतोष कुमार कुमावत, गंगाधर कल्याण, श्रवण कुमार जांगिड़ सहित एसएमसी व एसडीएमसी के सदस्य मौजूद रहे।

एक्मस को Q4 FY25 में 12.4% ज्यादा कमाई, पूरे साल की मुनाफे की दर 12.3% रही

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी दवा बनाने वाली कॉन्ट्रैक्ट कंपनी (CDMO) 'एक्मस ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड' ने 31 मार्च 2025 को खत्म हुई तिमाही और पूरे साल के अपने संयुक्त वित्तीय नतीजे जारी किए। चौथी तिमाही में कंपनी के प्रदर्शन में जोरदार सुधार दिखा, जिससे आगे की बढ़त और वैश्विक विस्तार के लिए मजबूत आधार बना। Q4 FY25 में एक्मस की कमाई 1,073 करोड़ रही, जो पिछले साल की तुलना में 12.4% ज्यादा है। इस तिमाही में कंपनी का एबिट्डा मार्जिन 10.4% रहा। Q4 के अच्छे प्रदर्शन के साथ, एक्मस ने पूरे साल यानी FY25 को 4,170 करोड़ की कंसोलिडेटेड टोटल इनकम और 12.3% की एडजस्टेड एबिट्डा मार्जिन के साथ पूरा किया, जो पिछले साल से 7 बेसिस पॉइंट बेहतर है। इस दौरान कंपनी ने अपने प्रोडक्ट मिक्स को बेहतर बनाने, रिसर्च-ड्रिवन पोर्टफोलियो तैयार करने और ग्लोबल प्रेज़ेंस बढ़ाने पर ध्यान बनाए रखा। इस वित्त वर्ष के दौरान एक्मस की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक लगभग 200 मिलियन का कॉन्ट्रैक्ट हासिल करना रहा। यह कॉन्ट्रैक्ट यूरोप के रेगुलेटेड मार्केट्स में दवाओं के निर्माण और सप्लाई के लिए मिला है, जो एक्मस की ग्लोबल सीडीएमओ मौजूदगी को और मजबूत करता है। इस कॉन्ट्रैक्ट के तहत कमर्शियल सप्लाई साल 2027 से शुरू होगी। अपने बढ़ते कामकाज को सपोर्ट करने के लिए एक्मस ने FY25 में 272 करोड़ का कैपिटल एक्सपेंडिचर किया। अब कंपनी की सालाना उत्पादन क्षमता 49.6 बिलियन यूनिट हो गई है। यह इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार भारत में बड़े पैमाने की सीडीएमओ सेवाओं और अंतरराष्ट्रीय फार्मा कॉन्ट्रैक्ट के लिए कंपनी को पूरी तरह तैयार बनाता है।

समरनाथ यादव के घर आयोजित अखंड रामायण पाठ में पहुंचे गणमान्य

जौनपुर। बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित शाहपुर सानी गांव के पूर्व प्रधान समरनाथ यादव के घर आयोजित अखंड रामायण पाठ तथा प्रीतिभोज में क्षेत्रीय गणमान्य जन उपस्थित रहे। उनके पुत्र सुरेश चंद्र यादव, अध्यापक बृजेश यादव, ग्राम प्रधान चंद्रशेखर यादव राजशेखर यादव तथा सुनील यादव ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों में उत्तर प्रदेश के मंत्री गिरीश यादव, पूर्व प्रमुख इंद्रदेव यादव, रामआसरे यादव, रामानंद पांडे, पत्रकार डॉ सुभाष चंद्र पांडे, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, प्रमोद यादव, विक्रमाजीत यादव, सुभाष सिंह, हृदय नारायण सिंह, पंकज यादव, कमल यादव, सत्य प्रकाश सिंह, डब्लू सिंह, महेंद्र यादव, अभिमन्यु यादव, प्रहलाद यादव, कृष्ण कुमार यादव आदि का समावेश रहा।

आहार में पौष्टिकता और स्वाद का संतुलन होना चाहिए : ऋतिका समद्दार

पटना(उत्तरशक्ति)। भारत समेत दुनियाभर की महिलाओं में पॉलीसिस्टिक ओव्हरी सिंड्रोम (पीसीओएस) के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पीसीओएस के कारण हॉर्मोन में असंतुलन होता है, जिससे पूरी सेहत, मेटाबॉलिज्म और वजन पर असर पड़ता है। ऐसे में जीवनशैली में बदलाव के साथ-साथ खानपान पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। पौष्टिक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार शरीर को न केवल ऊर्जा देता है, बल्कि लंबे समय तक स्वास्थ्य को भी संबल प्रदान करता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि रोजाना के नाश्ते में बादाम जैसे मेवों को शामिल करना इस दिशा में एक असरदार कदम हो सकता है। बादाम शरीर को दिनभर स्थिर ऊर्जा देते हैं और पीसीओएस डाइट को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इस विषय पर जानकारी साझा करते हुए मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली में डायटीटिक्स की रीजनल हेड ऋतिका समद्दार बताती हैं कि पीसीओएस से जूझ रही महिलाओं के लिए ऐसे नाश्ते के विकल्प जरूरी हैं जो न केवल आसान और पौष्टिक हों, बल्कि व्यस्त सुबह के लिए भी उपयुक्त हों। उनका मानना है कि आहार में पौष्टिकता और स्वाद का संतुलन होना चाहिए।

संतराम बीए एजुकेशन की मदद से समाज की बेटी UPSC की राह पर

पवित्रा प्रजापति को मिला दिल्ली में कोचिंग का सुनहरा अवसर

सतना (संवाददाता)। सतना जिले की रहने वाली पवित्रा प्रजापति ने विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षा की राह पर डटकर चलने की मिसाल कायम की है। अब इसी मेहनत और लगन को देखते हुए, संतराम बीए एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी सतना (म.प्र.) द्वारा उन्हें दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित दृष्टि IAS कोचिंग संस्थान से UPSC परीक्षा की तैयारी कराने का निर्णय लिया गया है। पवित्रा एक साधारण परिवार से आती हैं। मात्र तीन वर्ष की आयु में माँ का साया सिर से उठ गया था। उनके पोलियोग्रस्त बड़े पिता ने मजदूरी कर उन्हें पाला-पोसा और अच्छी शिक्षा दिलाई। पवित्रा ने भोपाल के सरोजिनी नायडू कॉलेज से स्नातकोत्तर (Post Graduation) तक की पढ़ाई पूरी की है। पवित्रा के कोचिंग और प्रारंभिक खर्च के लिए समाज ने एक सप्ताह में तीन किस्तों में 1,70,000 की राशि एकत्र कर मिसाल पेश की है। आगामी दिनों में शेष 80,000 की व्यवस्था का लक्ष्य रखा. गया है ! इस अभियान में विशेष योगदान देने वालों में शामिल हैं: इंजीनियर आर.पी. प्रजापति (महोबा), महेश प्रजापति (रीवा), वेदप्रकाश प्रजापति (लखनऊ), हरि विनायक प्रजापति (नागौद), केतन प्रजापति (दिल्ली), डॉ. ज्योति प्रजापति (इंदौर), दीपल गांधी (दादा नगर हवेली), गुलाब चंद (मुंबई), पियूष (दिल्ली), संतोष लाडलू (गुजरात), बी.एल. प्रजापति (भोपाल), रामेश्वर प्रजापति (ठेकेदार करौली), के.सी. सर (छतरपुर), राजेन्द्र प्रजापति, डॉ शिव कुमार गोला (आगरा) बलराज सिंह गुर्जर, विनोद प्रजापति (झांसी), राकेश गोला (दिल्ली), केवनाथ राम (जबलपुर) एवं समाज के अनेक अन्य सहयोगी बंधु। पवित्रा की दिल्ली में रहने और मासिक खर्च की जिम्मेदारी संस्था की ओर से निम्न वरिष्ठजनों द्वारा निभाई जाएगी। राजेन्द्र बाबू प्रजापति (अध्यक्ष), देवनाथ प्रजापति, बंशीलाल प्रजापति, दर्शन प्रजापति, महेश प्रजापति, संतोष कुमार प्रजापति, गोरेलाल प्रजापति, कुंजीलाल प्रजापति, अजय प्रजापति संस्थापक अध्यक्ष सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट, रंजीत प्रजापति, भारत प्रजापति एवं आर.डी. पिंटू। इस अभियान को सफल बनाने में संस्था के सचिव भारत प्रसाद प्रजापति की विशेष भूमिका रही, जिन्होंने दिन-रात मेहनत कर समाज के सभी वर्गों से संपर्क किया और सहयोग जुटाया। आज संस्था के कोषाध्यक्ष राजकुमार राजगुरु ने पवित्रा को चेक सौंपा। इस अवसर पर निर्माण समिति के अध्यक्ष बंशीलाल प्रजापति, युवा अध्यक्ष रंजीत प्रजापति, ABPS अध्यक्ष कुंजीलाल, सोहावल ब्लॉक अध्यक्ष रामबहोरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। पवित्रा 28 तारीख को दिल्ली के लिए रवाना होंगी, जहाँ से वह कक्षा बनने के अपने सपनों की उड़ान भरेंगी। समाज से अपील: आगे की राशि के लिए पुनः सहयोग करें, अब समाज के सभी वर्गों से अपील है कि इस संकल्प को पूर्ण करें और शेष फीस व खर्च की व्यवस्था के लिए भी सहयोग प्रदान करें। बेटी पढ़ेगी, समाज बढ़ेगा, यही हमारा संकल्प है !

पुण्यश्लोक राजमाता अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर युवा संवाद संपन्न

-आदेश मिश्र

नवी मुंबई। नवी मुंबई भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिला अध्यक्ष डॉ. राजेश पाटील और अभियान संयोजक दत्ता घंगाले के नेतृत्व में कन्नड़ समाज हॉल वाशी में युवा संवाद का आयोजन किया गया। पुण्यश्लोक राजमाता अहिल्यादेवी होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर बेलापुर की विधायक मंदताई म्हात्रे, प्रदेश महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष प्रोफेसर वर्षाताई भोसले, पूर्व जिला अध्यक्ष रामचंद्र घरत, मुख्य वक्ता और कोंकण ठाणे संवादक अभिजीत पेडनेकर, पूर्व विपक्षी नेता अनंत सुतार, कृष्णा पाटिल, सीवुड्स मंडल अध्यक्ष सुधीर जाधव और युवा मोर्चा के पूर्व सभी पदाधिकारी तथा पूर्व नगरसेवक एवं नवी मुंबई भाजपा मंडल अध्यक्ष की उपस्थिति रही। मुख्य वक्ताओं ने अपने भाषण के माध्यम से अहिल्यादेवी की जीवनी को जीवंत किया। सभा का उद्देश्य अहिल्यादेवी की जीवन कहानी को सामने लाना था । जिन्होंने वर्षों पहले कई क्रांतिकारी निर्णय लिए जिससे हर युवा कार्यकर्ता को प्रोत्साहन मिला। इस मौके पर मुख्य अतिथि एवं वक्ता अभिजीत पेडनेकर का एडवोकेट उत्कर्ष विनोद उपाध्याय ने गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया।

कृष्णा ज. हलवाई ने शुजाय म्यूजिक से मिलाया हाथ, धनंजय तिवारी के निर्देशन में फिल्म की शूटिंग शुरू

मुंबई। आदिदेव एंटरटेनमेंट व शुजाय म्यूजिक प्रा.लि. प्रस्तुत फिल्म निर्देशक धनंजय तिवारी और फिल्म निर्माता कृष्णा ज. हलवाई द्वारा बनाई जा रही भोजपुरी फिल्म 'प्रोडक्शन नं०1' शुभ मुहूर्त करके शूटिंग शुरू कर दी गई है। बता दें कि विधिवत मंत्रोच्चारण, पूजा, अर्चना करके उत्तर प्रदेश के जिला भदोही के महाराजगंज में फिल्म 'प्रोडक्शन नं०1' की शूटिंग भव्य पैमाने पर शुरू कर दी गई है। इस शुभ अवसर पर खासमखास विशिष्ट अतिथियों सहित फिल्म के निर्माता, निर्देशक, कलाकार सहित फिल्म की पूरी यूनिट मौजूद थे। फिल्म का शुभ मुहूर्त संपन्न होने और शूटिंग शुरू होने पर सभी ने एक दूसरे को शुभकामना और बधाई दिया।

गौरतलब है कि आदिदेव एंटरटेनमेंट व शुजाय म्यूजिक प्रा.लि. प्रस्तुत फिल्म 'प्रोडक्शन नं०1' के निर्माता कृष्णा ज. हलवाई हैं, मनोरंजन से भरपूर संदेशपरक फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। इस फिल्म के कुशल निर्देशन की कमान निर्देशक धनंजय तिवारी संभाल रहे हैं, जो बेहतरीन सिनेमा बनाने के लिए जाने जाते हैं। लेखक सभा वर्मा हैं। डीओपी देवेन्द्र तिवारी हैं। संगीतकार रोशन सिंह, ईपी अरविंद तिवारी, कोरियोग्राफर प्रवीण शेलार, आर्ट डायरेक्टर शिवा, ड्रेस डिजाइनर बादशाह खान हैं। फिल्म के मुख्य कलाकार कुंदन भारद्वाज, अपर्णा मल्लिक, विनोद मिश्रा, समर्थ चतुर्वेदी, प्रियांशु सिंह, परी सिंहानिया, तरुण कुमार, संजीव मिश्रा, शमीम खान आदि हैं।

विदित हो कि फिल्म निर्माता कृष्णा ज. हलवाई ने फिल्म के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब बताया कि 'फिल्म की कहानी अभी रिवील नहीं करूँगा, बल्कि यह जरूर बताना चाहता हूं कि सिनेमा समाज का आईना होता है। जो फिल्मों के माध्यम से सिखाया व बताया जाता है, वह दुनियां की कोई किताब नहीं सिखा सकती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हम इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। यह फिल्म दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ-साथ समाज में जागरूकता भी लाने का काम करेगी।' वहीं फिल्म निर्देशक धनंजय तिवारी ने बताया कि 'आज कल बन रही सास-बहू वाली भोजपुरी फिल्मों से परे समाज में संदेश देने वाली फैमिली ड्रामा फिल्म का हम निर्माण कर रहे हैं। इस फिल्म के जरिये ये बताने का प्रयास किया जा रहा है कि हमारी यह फिल्म एक गाथा के रूप में जानी जाएगी। उम्मीद है कि हम दर्शकों की उम्मीद पर खरा उतरेंगे।'

नरेंद्र स्वामी का किया शानदार सम्मान

चिराना। कस्बे की इंदिरा पब्लिक स्कूल के परिसर में हाल ही में जेल सुप्रीमटेंडेंट बने गांव के नरेंद्र स्वामी का शानदार सम्मान समारोह किया गया जिसमें सर्व समाज के लोग उपस्थित होकर स्वामी का फूल माला व साफा पहनाकर सुस्वागत किया। कार्यक्रम के आयोजक रहे युवा नेता व समाजसेवी बाबूलाल सैनी सर्व प्रथम नरेंद्र स्वामी को गजरा पहनाकर अभिनंदन किया और कहा गांव के लिए यह खुशी का पल है सैनी ने बताया कि इस मौके पर नरेंद्र स्वामी ने युवाओं को मेहनत के बल मुकाम तलाशने और पढ़ाई कर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि जोश जज्बे और जुनून के बल हर व्यक्ति अपने वांछित पद तक पहुंच सकता हैं स्वामी के बचपन की बातों को याद करते हुए उनके हौसले के किस्से भी इस दौरान वक्ताओं ने सुनाए और इस बीच मंचासीन नरेंद्र के पिता केसर देव स्वामी को भी आयोजकों द्वारा माल्यार्पण कर सम्मान दिया गया।

कार्यक्रम में बागोरिया की ढाणी के सरपंच रहे राजेंद्र सैनी, पूर्व तहसीलदार चंद्रशेखर महर्षि, सेवा निवृत ग्राम सेवक मूल सिंह शेखावत, डॉ. राजेंद्र कुमावत, डॉ. महेश कुमावत, आसकरण सिंह शेखावत, शीशराम पहाड़ीला,श्री राम जांगिड़, नथुसिंह, रफीक चिराना, सुरेश सेन, अध्यापक संतोष शर्मा, युनुस खान, लखन लाल, एडवोकेट बजरंग लाल सैनी, इकबाल काजी, विजेंद्र खडोलिया, अंकित बागड़ी सहित कई गणमान्य जन उपस्थित रहे।

शुभमन गिल बने ओकले के नये ब्रांड एम्बेसडर

मुंबई। भारतीय क्रिकेटर, शुभमन गिल ओकले के अगले ब्रांड एम्बेसडर बन गए हैं। वो भारत में आर्टिफैक्ट्स फ्रॉम द फ्यूचर अभियान का चेहरा होंगे।

इस गठबंधन के लिए उत्साहित शुभमन गिल ने कहा,मैं ओकले से जुड़कर बहुत उत्साहित हूँ। यह ब्रांड परफॉर्मेंस, प्रगति और जुनून का प्रतीक है। ये गुण मुझे बहुत प्रभावित करते हैं। जब भी मैं मैदान पर रहा हूँ, ओकले हर बार मेरे क्रिकेट के सफर का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहा। हर ओकले उत्पाद में उनकी इनोवेटिव लेंस और फ्रेम टेक्नोलॉजी मेरी परफॉर्मेंस बढ़ाने में मदद करती है। वो बहुत स्टाइलिश हैं, इसलिए मुझे बहुत पसंद हैं। ओकले में सीनियर ब्रांड बिजनेस मैनेजर, साहिल जंदियाल ने कहा, खेल में ओकले की जड़ें बहुत गहरी हैं। यह खिलाड़ियों के समुदाय और संस्कृति के साथ परफॉर्मेंस की सीमाएं बढ़ाते रहने के लिए प्रेरित करता है। परफेक्शन और प्रगति की ओर निरंतर बढ़ते हुए शुभमन गिल ओकले की इसी भावना को आत्मसात करते हैं। मुझे विश्वास है कि यह साझेदारी लाखों लोगों को लगातार तब तक आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित करेगी, जब तक वो सर्वश्रेष्ठ न बन जाएं... इससे आगे भी यह प्रेरणा जारी रहेगी। टीम ओकले के रूप में शुभमन ओकले-वर्स में विश्वस्तरीय खिलाड़ियों के समूह में शामिल हो जाएंगे, जिनमें किलियन एम्बाप्पे, डामियान लिलार्ड, पैट्रिक माहोम्स 2 शामिल हैं, जो खेल और संस्कृति के क्षेत्र में असाधारण ताकत हैं और अपने-अपने क्षेत्रों में नए कीर्तिमान बना रहे हैं। अतीत से लगातार प्रगति करते हुए और भविष्य की ओर नए अध्याय लिखते हुए शुभमन गिल का अद्वितीय लक्ष्य ओकले के इनोवेशन एवं स्टाईल के साथ परफॉर्मेंस के सिद्धांत के अनुरूप है।

जीना एण्ड कंपनी ने संचालन की दक्षता बढ़ाने के लिए भिवंडी स्टोरेज यूनिट का किया विस्तार

भिवंडी/मुंबई। लॉजिस्टिक्स में 125 साल पुरानी दिग्गज - जीना एण्ड कंपनी जिसे भरोसेमंद एवं फ्यूचर रैडी फ्रेट समाधानों के लिए जाना जाता है, ने मुंबई के भिवंडी स्थित अपनी यूनिट की स्टोरेज क्षमता का विस्तार किया है। 1.10 लाख वर्गफीट में फैले भिवंडी वेयरहाउस की क्लियर सेंटर हाइट 50 फीट और शॉल्डर हाइट 30 फीट है, जो बड़े पैमाने पर लॉजिस्टिक्स के लिए हाई-वॉल्यूम स्पेस उपलब्ध कराती है। इस यूनिट के डिजाइन में जी प्लस 7 और जी प्लस 6 हैवी ड्यूटी पैलेट रैकिंग सिस्टम, जी प्लस 7 मल्टी-टियर शेल्विंग सिस्टम है। वेयरहाउस में 2 फोर्कलिफ्ट, 2 स्टैकर्स और 14 हैण्ड पैलेट ट्रॉलीज भी हैं। इसका प्रत्यास्थ डिजाइन स्टोरेज को अनुकूलित क्षमता प्रदान करता है, जिससे विक्रेताओं को अपना कारोबार बढ़ाने में मदद मिलती है। इस विस्तार के तहत क्षमता को 20 फीसदी बढ़ाया गया है, साथ ही हैवी ड्यूटी रैकिंग के माध्यम से 1000 से अधिक अतिरिक्त पैलेट पॉजिशन्स शामिल की गई हैं। इसके अलावा हाई वॉल्यूम फ्रेट के प्रबन्धन एवं स्टोरेज क्षमता के विस्तार के लिए अतिरिक्त 16000 नए लोकेशन बिन्स भी शामिल किए गए हैं। जीना की भिवंडी यूनिट में ग्रेविटी-फेड मटीरियल को हैंडल करने (गुरुत्वाकर्षण सामग्री को संभालने) के लिए स्पाइरल ढलान की सुविधा है, जिससे छोटे कन्साइनमेन्ट को उपरी से नीचली मंजिल तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है। इस तरह पैकेजिंग एवं डिस्पैच प्रक्रिया के बीच आने वाले संचालन की बाधाएं हल हो जाती हैं। इस अवसर पर प्रेदीमन कौल, चीफ एक्जक्टिव ऑफिसर, जीना एण्ड कंपनी ने कहा, हमारे कारोबार के लिए, विकास बेहद महत्वपूर्ण है। हमारी भिवंडी युनिट में यह क्षमता विस्तार संचालन को सुगम बनाएगा और इससे टर्नअराउण्ड समय में कमी आएगी। हम आने वाले समय में भी उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुसार अपने आप को अपग्रेड करते रहेंगे। इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं टेक्नोलॉजी में सक्रिय निवेश हमें हमारे पार्टनर्स को सहज एवं सुविधाजनक सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाता है।

सोच ने मुंबई में अपने सातवें स्टोर का भव्य उद्घाटन किया

मुंबई। भारत के अग्रणी एथनिक वेयर (पारंपरिक वस्त्र) ब्रांड सोच ने मुंबई में अपने सातवें स्टोर का भव्य उद्घाटन किया है और देश की फैशन राजधानी में अपनी उपस्थिति को और मजबूत किया है। यह ब्रांड का मुंबई में सातवां रिटेल स्टोर है, जो देशभर की महिलाओं के लिए टाइमलेस एथनिक फैशन को आसानी से उपलब्ध कराने की सोच की प्रतिबद्धता का एक हिस्सा है।

यह नया स्टोर बोरीवली (पूर्व) के स्काय सिटी मॉल में स्थित है और यह 1,000 वर्ग फुट के क्षेत्र में फैला हुआ है। यह स्टोर ग्राहकों को एक प्रीमियम और आकर्षक शॉपिंग अनुभव देने के उद्देश्य से खास डिजाइन किया गया है। इस स्टोर में सोच का पूरा कलेक्शन उपलब्ध होगा, जिसमें साड़ियाँ, सलवार सूट, कुर्ते, लहंगे, ड्रेसेस, और कंटेम्परी फ्यूजन वेयर के विविध संग्रह शामिल हैं। इस कलेक्शन का हर एक परिधान सोच की खास स्टाइल का प्रतीक है, जो भारत की समृद्ध वस्त्र परंपरा और आधुनिक फैशन की खूबसूरत झलक पेश करता है। यह नया स्टोर आज की आधुनिक भारतीय महिला की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और इसमें सोच की प्रॉडक्ट क्वालिटी और ग्राहक सेवा को लेकर की जाने वाली उत्कृष्टता की प्रतिबद्धता साफ दिखाई देती है। चाहे वो रोजमर्रा के पहनावे हों या खास मौकों के लिए -सोच एथनिक फैशन क्षेत्र में लगातार नए मानक स्थापित कर रहा है। इस नए स्टोर के उद्घाटन पर सोच ऐपेरल्स प्रा. लि. के सह-संस्थापक और सीईओ विनय चटलानी ने कहा,मुंबई में हमारे सातवें स्टोर का उद्घाटन, वह भी स्काय सिटी मॉल में, सोच के व्यापार विस्तार के सफर में एक अहम मील का पत्थर है। भारत के सबसे डायनैमिक फैशन मार्केट्स में से एक मुंबई ने हमारे विस्तार की रणनीति में बड़ी भूमिका निभाई है। इस नए स्टोर के जरिए हम अपना लेटेस्ट स्प्रिंग-समर कलेक्शन ग्राहकों तक लाने को लेकर उत्साहित हैं और कंटेम्परी इंडियन फैशन को बेहतरीन रिटेल अनुभव के जरिए पेश करने का हमारा वादा फिर से दोहराते हैं।